दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

राम चरण की पेड्डी ने विदेश में रचा ...8

सिद्धार्थनगर
रविवार , 10 मई 2026
वर्षः 13 अंक : 141 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

शुभेंदु अधिकारी बने बंगाल के सीएम

दिलीप घोष,अग्निमित्रा पॉल समेत 5 ने मंत्री पद की शपथ ली

कोलकाता। सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को ब्रिगेड परेड ग्राउंड

में आयोजित समारोह में पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण कर ली है। इसके साथ ही दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडू और निषिथ प्रमाणिक मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। राज्यपाल आर. एन. रवि ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री और एनडीए शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इससे पहले शुक्रवार को, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक तौर पर सुवेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री के रूप में घोषित किया, जो स्वतंत्रता के बाद से राज्य में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार की शुरुआत का प्रतीक है। इस बार, सुवेंदु अधिकारी पूर्वी मिदनापुर जिले के अपने गृह नगर नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र और दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से एक साथ निर्वाचित हुए। भवानीपुर में, उन्होंने अपनी पूर्ववर्ती और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 15,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया।

सुवेंदु अधिकारी ने पहली बार 2021 के विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम से ममता बनर्जी को हराया था। इसके बाद, उन्होंने 2026 के चुनाव में एक बार फिर बनर्जी को सत्ता से बेदखल कर दिया है और राज्य में भाजपा की पहली सरकार का नेतृत्व करने के लिए सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

शपथ ग्रहण में योगी-शुभेंदु का वो पल! भगवा गमछे ने बंगाल में दे दिया बड़ा संदेश!

पश्चिम बंगाल को आज भाजपा का पहला मुख्यमंत्री मिल

गया, जब राज्यपाल आर.एन. रवि ने कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सुवेंदु अधिकारी को शपथ दिलाई। अधिकारी पश्चिम बंगाल के नौवें मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने ममता बनर्जी का स्थान लिया है, जो 2011 से पिछले 15 वर्षों से इस पद पर थीं। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के कई शीर्ष केंद्रीय नेता उपस्थित थे। समारोह के लिए कोलकाता पहुंचे अन्य लोगों में योगी आदित्यनाथ (उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री), पुष्कर सिंह धामी (उत्तराखंड), कॉनराड संगमा (मेघालय), एन चंद्रबाबू नायडू (आंध्र प्रदेश), भूपेंद्र पटेल (गुजरात) और सम्राट चौधरी (बिहार) शामिल थे। केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू, धर्मेंद्र प्रधान और जयंत चौधरी भी समारोह में उपस्थित थे। शुभेंदु अधिकारी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वे अपनी पूर्ववर्ती ममता बनर्जी की तरह अपने सभी निर्णय मंत्रिमंडल के सदस्यों पर थोपकर शासन नहीं करेंगे, बल्कि ष्सामूहिक नेतृत्वष् के आधार पर शासन चलाएंगे। अधिकारी ने कहा कि राज्य का शासन मैं नहीं, बल्कि हम मिलकर चलाएंगे। साथ ही, केंद्र–राज्य के बीच सुचारू संबंध और समन्वय के माध्यम से राज्य का शासन चलेगा।

योगी मंत्रिमंडल में 6 नए चेहरे, आज शाम शपथ ग्रहण! लखनऊ में सियासी पारा हाई

उत्तर प्रदेश में कैबिनेट विस्तार की चर्चा अब तेज हो गई है। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश में कल यानी की 10 मई को कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। इसको लेकर आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक 6 नए विधायकों को उत्तर प्रदेश में मंत्री बनाया जाएगा। इन नाम में सपा की बागी विधायक पूजा पाल और मनोज पांडे का भी नाम शामिल है। इसके अलावा कृष्णा पासवान भूपेंद्र चौधरी अशोक कटारिया और रोमी साहनी को भी कैबिनेट मंत्री बनाया जा सकता है। वर्तमान में देखी तो उत्तर प्रदेश में कुल 54 मंत्री हैं जबकि नियमों के अनुसार यह संख्या 60 तक हो सकती है। फिलहाल अगले साल होने वाले चुनाव को देखते हुए खाली 6 जगह को भरने की कोशिश हो रही है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उन्हें भगवा अंगवस्त्र पहनाया। कोलकाता में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में बंगाल की पहली भाजपा सरकार का आज भव्य शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस अवसर पर आदित्यनाथ भी मौजूद थे। आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अधिकारी को मंच पर भगवा अंगवस्त्र भी पहनाया।

आदित्यनाथ ने मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक किर्तनिया, क्षुदीराम टुडू, निशीथ प्रमाणिक को भी बधाई दी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान अधिकारी ने एक जनसभा में आदित्यनाथ को भगवा अंगवस्त्र पहनाकर उनका बंगाल की धरती पर स्वागत किया था।

डीआरडीओ का बड़ा कमाल!

अग्नि एमआईआरवी मिसाइल टेस्ट से मजबूत हुआ भारत का रक्षा कवच

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) अग्नि एमआईआरवी का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण शुक्रवार को ओडिशा तट के पास चांदीपुर में किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा जल्द ही इस परीक्षण के संबंध में बयान जारी किए जाने की संभावना है। इस परीक्षण ने अग्नि–6 मिसाइल को लेकर हलचल मचा दी है, जिस पर डीआरडीओ लंबे समय से काम कर रहा है। पिछले महीने, डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी. कामत ने कहा था कि मिसाइल कार्यक्रम सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा है और एजेंसी ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। एएनआई राष्ट्रीय सुरक्षा शिखर सम्मेलन 2.0 में बोलते हुए कामत ने कहा था, ष्यह सरकार का निर्णय है। सरकार

की मंजूरी मिलते ही हम तैयार हैं। अग्नि–6 की मारक क्षमता 6,000 से 10,000 किलोमीटर के बीच होने की उम्मीद है। इस मिसाइल का उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के दीर्घ दूरी की मिसाइलों के भंडार को बढ़ाना और देश की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना है। मिसाइल में संभवतः एमआईआरवी (मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल) तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसका अर्थ है कि यह कई परमाणु हथियारों को ले जाकर विभिन्न लक्ष्यों पर दागने में सक्षम होगी। भारत ने नए हथियार तंत्र का पहला परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न कियाः इस बीच, शुक्रवार को ओडिशा तट पर स्वदेशी रूप से विकसित ग्लाइड हथियार तंत्र का पहला परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज ऑग्मेंटेशन प्रणाली को गैर–निर्देशित वारहेड को सटीक निर्देशित हथियारों में परिवर्तित करने के लिए विकसित किया गया है। **TARA** प्रणाली को हैदराबाद के रिसर्च सेंटर इमारत ने **DRDO** के साथ मिलकर डिजाइन और विकसित किया है। इसका उद्देश्य प्जमीनी लक्ष्यों को निष्क्रिय करने के लिए कम लागत वाले हथियार की मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ाना है।

जानवरों से क्रूरता के मामले में एक साल में 10,312 लोग गिरफ्तार, महाराष्ट्र सबसे आगे, एनसीआरबी रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने पहली बार पशुओं के प्रति क्रूरता के मामलों को ट्रैक करके उनके आंकड़े संकलित किए हैं। साल 2024 में देश भर में पशु क्रूरता के 9,039 मामले दर्ज किए गए और 10,312 लोगों को गिरफ्तार किया गया। आंकड़ों के अनुसार, पशु क्रूरता के सबसे अधिक मामले महाराष्ट्र (2,356) में दर्ज किए गए। इसके बाद मध्य प्रदेश (1,346), उत्तर प्रदेश (1,121), गुजरात (526) और तमिलनाडु (457) का स्थान है। पहली बार सामने आई राष्ट्रीय तस्वीरः यह डेटा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत दर्ज मामलों को ट्रैक करता है, जिसमें एफआईआर दर्ज होने और जांच से लेकर चार्जशीट दाखिल करने और कोर्ट द्वारा मामले के निपटारे तक की जानकारी शामिल है। इससे भारत को पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर यह डाटा मिली है कि हमारी व्यवस्था पशु क्रूरता के अपराधों से कैसे निपटती है।

विजय का शपथग्रहण आज

नई दिल्ली। तमिलनाडु में

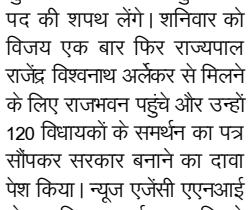

नई सरकार के शपथ ग्रहण का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। पांच दिन तक चले असमंजस के दौर के बाद आखिरकार टीवीके चीफ विजय रविवार को सुबह 10 बजे राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शनिवार को विजय एक बार फिर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मिलने के लिए राजभवन पहुंचे और उन्हों 120 विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, समर्थन पत्र मिलने के बाद राज्यपाल ने टीवीके चीफ विजय को सरकार बनाने का न्योता दिया। रविवार सुबह 10 बजे विजय तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। विजय ने राज्यपाल से की मुलाकातः 120 विधायकों के समर्थन पत्र के साथ टीवीके चीफ विजय ने शनिवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। चुनाव नतीजों के बाद ये विजय और राज्यपाल के बीच चौथी मुलाकात थी। विजय को 120 विधायकों का समर्थनः विजय के पास सरकार बनाने के लिए 120 विधायकों का समर्थन हासिल है। जिनमें टीवीके के पास 108, कांग्रेस–5, सीपीआई–2, सीपीआई (एम)–2, वीसीके–2, आईयूएमएल–2 विधायक शामिल हैं। विजय दो सीटों से चुनाव जीते हैं, लिहाजा उन्हें एक सीट छोड़नी पड़ेगी। जिससे टीवीके के पास 107 विधायक रह जाएंगे।

संजीव अरोरा पर ईडी रेड से सियासी बवाल

केजरीवाल बोले– बीजेपी के लिए पार्टियां तोड़ रहीं एजेंसियां

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग करके विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आज सुबह से पंजाब के मंत्री संजीव अरोरा के आवास पर ईडी की छापेमारी जारी है। मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से हमने देखा है कि सीबीआई और ईडी भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने के बजाय अन्य पार्टियों को तोड़ने और अन्य राजनीतिक नेताओं को धमकाकर उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने का काम कर रही हैं। केजरीवाल ने आगे कहा कि ईडी की छापेमारी इसी दिशा में उठाया गया कदम है। प्रवर्तन निदेशालय

ने शनिवार को दिल्ली, गुरुग्राम और चंडीगढ़ में पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े पांच ठिकानों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत चल रहे 100 करोड़ रुपये के कथित धन शोधन मामले के संबंध में की गई। इससे पहले शनिवार को केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की कई कार्रवाइयों के जरिए पंजाबियों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि ये ईडी की छापेमारी राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं और इनका मकसद गलत कामों को उजागर करने के बजाय दबाव डालना है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि बंगाल चुनाव समाप्त होते ही मोदी जी ने पंजाब में रोजाना ईडी के छापे शुरू कर दिए। पिछले कुछ वर्षों में मोदी जी ने पंजाब को भारी नुकसान पहुंचाया है। पंजाबियों को हर संभव तरीके से प्रताड़ित किया गया है। पंजाब के पानी पर हमले किए गए, पंजाब विश्वविद्यालय पर कब्जा करने की कोशिशें की गईं, ग्रामीण विकास के लिए फंड रोक दिया गया और अब ईडी के लगातार छापे मारे जा रहे हैं। अशोक मित्तल के घर पर छापा मारा गया और अगले ही दिन उन्हें भाजपा में शामिल कर लिया गया। इसका मतलब है कि ईडी के छापे का उद्देश्य चोरी का पैसा बरामद करना नहीं था।

ऐसे जीतती है बीजेपी.. कपिल सिब्बल का सनसनीखेज दावा, पश्चिम बंगाल में 96 प्रतिशत वोटर्स के नाम हटाए गए

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाने में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग को निशाना बनाया। उन्होंने एक चुनाव न्यायाधिकरण द्वारा निपटाए गए अपीलों से संबंधित आंकड़ों का हवाला दिया। एक्स पर एक पोस्ट में सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची से बाहर किए गए व्यक्तियों की अपीलों की सुनवाई करने वाले 19 अपीलीय न्यायाधिकरणों में से एक, पूर्व कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवज्ञानम का जिक्र किया और दावा किया कि अधिकांश अपीलें अपीलकर्ताओं के पक्ष में निपटाई गईं। सिब्बल ने पोस्ट में कहा कि न्यायमूर्ति टी.एस. शिवज्ञानम। पश्चिम बंगाल चुनावों में अपीलों की सुनवाई करने वाले 19 न्यायाधिकरणों में से एक। 1777 अपीलों का निपटारा किया। 1717 को मंजूरी दी। आंकड़ों की अपनी व्याख्या करते हुए, राज्यसभा सांसद ने आरोप लगाया कि 96 प्रतिशत से अधिक नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटा दिए गए थे। इसका मतलब हैरू 96 प्रतिशत से अधिक नाम गलत तरीके से हटाए गए। मुख्य चुनाव आयुक्त जिंदाबाद।

केरल चुनावः 7 सीटें जीतकर जोसेफ गुट का पावर प्ले, कहा- 2 मंत्री पद हमारा हक

केरल कांग्रेस (जोसेफ) के नेता और थोडुपुझा से निर्वाचित विधायक अपू जॉन जोसेफ ने शनिवार को दावा किया कि केरल चुनाव में आठ विधानसभा सीटों में से सात पर जीत हासिल करने के बाद उनकी पार्टी नई संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) सरकार में दो मंत्री पदों की हकदार है। इडुक्की में पत्रकारों से बात करते हुए अपू जॉन जोसेफ ने कहा कि पार्टी ने यूडीएफ गठबंधन के व्यापक हितों के लिए कुछ सीटें कुर्बान कीं और चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि पहले हमने दस सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन इस बार हमने यूडीएफ के लिए दो सीटें छोड़ दीं। हमने जिन आठ सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से सात पर जीत हासिल की, इसलिए स्वाभाविक रूप से हम दो मंत्री पदों के हकदार हैं। उन्होंने आगे कहा, पार्टी ने इन पदों की मांग करने का फैसला किया है, क्योंकि पहले हमारे पास दो मंत्री और एक मुख्यमंत्री होता था। हमारी पार्टी किसानों की पार्टी है, जिसका मकसद उनके अधिकारों की रक्षा करना है। केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की निर्णायक जीत के बाद मंत्रिमंडल गठन और अगले मुख्यमंत्री के चयन को लेकर चल रही गहन चर्चाओं के बीच ये बयान सामने आए हैं। अपू जॉन जोसेफ ने कहा कि मुख्यमंत्री पद का मामला सुलझने के बाद ही नेतृत्व द्वारा मंत्री पदों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार

पीएम मोदी बोले– गुरुदेव टैगोर जयंती पर यह सुखद संयोग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिरस्थायी शब्द राष्ट्र की पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह को एक सुखद संयोग बताया क्योंकि यह गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती, पोचीशे बोइशाख के दिन आयोजित किया गया था। ट्विटर पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सुखद संयोग से, पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती, पोचीशे बोइशाख के दिन हुआ। समारोह में गुरुदेव टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनके

अंतरात्मा को लंबे समय से झकझोरते रहे हैं और उनकी दूरदृष्टि भारत के विकास पथ को रोशन करती रहेगी। सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के नौवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिससे तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन का अंत हुआ। भाजपा के पांच नेताओं – दिलीप घोष, अग्निमित्र पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निशीथ प्रमाणिक – ने भी नए राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली। कोलकाता में हुए शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा और धर्मेंद्र प्रधान उपस्थित थे। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी समेत कई अन्य मुख्यमंत्री भी मौजूद थे।

राहुल गांधी के धांधली आरोप पर बीजेपी का पलटवार, शहजाद पूनावाला बोले– एक भी सबूत है तो दिखाएं

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 9 मई, 2026 को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा भाजपा पर लगाए गए चुनाव धांधली के आरोपों की आलोचना की। पूनावाला ने गांधी को अवसरवादी और पाखंडी बताया और कहा कि उनके पास महाराष्ट्र में चुनाव में धांधली का कोई सबूत नहीं है। एएनआई से बात करते हुए पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी अवसरवादी और पाखंडी हैं। यही राहुल गांधी केरल के चुनाव परिणाम स्वीकार करते हैं और फिर असम और बंगाल के चुनावों के लिए चुनाव आयोग को दोषी ठहराते हैं।

शहजाद पूनावाला ने गांधी पर बिना सबूत के मनगढ़ंत आरोप लगाने का भी आरोप लगाया और कहा कि राहुल गांधी के पास आज तक महाराष्ट्र में चुनाव में धांधली का कोई सबूत नहीं है। वह सिर्फ मनगढ़ंत आरोप लगाते हैं। ये टिप्पणियां राहुल गांधी के 4 मई के उस दावे के बाद आईं, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के समर्थन से असम और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव चुरा लिए जहां कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था। गांधी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस आरोप से सहमति जताई कि राज्य में 100 से अधिक सीटें धांधली से जीती गईं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर उन्होंने लिखा कि असम और बंगाल भाजपा द्वारा चुनाव आयोग के समर्थन से चुनाव धांधली के स्पष्ट उदाहरण हैं। हम ममता जी से सहमत हैं। बंगाल में 100 से अधिक सीटें धांधली से जीती गईं।

राजन इंटरनेशनल एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया मदर्स डे, बच्चों ने मां के प्रति जताया प्रेम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शहर के राजन इंटरनेशनल एकेडमी में रविवार को मदर्स डे का आयोजन बड़े उत्साह और भावनात्मक माहौल में किया गया। विद्यालय की प्रबंध निदेशक शिखा चतुर्वेदी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में मां के महत्व, त्याग और ममता को याद करते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, शिक्षक–शिक्षिकाओं एवं बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्वांचल के मालवीय स्वर्गीय पंडित सूर्यनारायण चतुर्वेदी एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद विद्यालय परिसर में बच्चों द्वारा मां को समर्पित गीत, कविता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। छोटे–छोटे बच्चों ने अपनी मासूम अभिव्यक्तियों से मां के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंध निदेशक शिखा चतुर्वेदी ने कहा कि मां का स्थान संसार में सर्वोपरि होता है। मां ही बच्चे की पहली शिक्षिका होती है, जो उसे जीवन के संस्कार,

अनुशासन और प्रेम का पाठ पढ़ाती है। उन्होंने कहा कि मां अपने बच्चों के लिए हर कठिनाई को मुस्कुराते हुए सहन करती है और अपने परिवार की खुशियों के लिए हमेशा समर्पित रहती है। उन्होंने कहा कि हम मां के लिए कितना भी कर लें, लेकिन उनके त्याग और प्रेम के ऋण से कभी उऋण नहीं हो सकते। विद्यालय के कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि मां की ममता अनमोल होती है। मां का प्रेम निस्वार्थ और असीम होता है। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे अपने माता–पिता का सम्मान करें और उनकी भावनाओं को समझें। उन्होंने कहा कि मां का आशीर्वाद ही बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य सानू एंटोनी ने कहा कि मां और बच्चे का रिश्ता दुनिया का सबसे पवित्र रिश्ता होता है। एक मां ही ऐसी होती है जो बिना कुछ कहे अपने बच्चों की हर जरूरत और हर परेशानी को समझ जाती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को हमेशा अपनी मां के प्रति आदर और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। प्लेवे से लेकर अन्य कक्षाओं तक के बच्चों को केक एवं चॉकलेट वितरित किए गए। बच्चों ने मदर्स डे के अवसर पर अपनी माताओं के लिए विशेष कार्ड और संदेश भी तैयार किए। विद्यालय परिवार की ओर से सभी माताओं को शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। मदर्स डे का यह आयोजन भावनात्मक, प्रेरणादायक और यादगार बन गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र यदुवंशी जीत ने किया, कार्यक्रम में सुमन दूबे, रेखा श्रीवास्तव, पूनम गुप्ता, श्वेता त्रिपाठी, नीलम श्रीवास्तव, निशु उपाध्याय, अन्नू, सुष्मिता पाण्डेय, आकृति पाण्डेय, दीपांजलि, रीना पाण्डेय, नैन्सी वर्मा, आकृति साहू, आकृति पाण्डेय,तहजीब फातिमा, अर्चना द्विवेदी, रूपा जायसवाल, सुषमा गुप्ता, फातिमा सिद्दीकी, रजनी श्रीवास्तव, फरहत फातिमा, शहनाज यूनुस, नलिनी गुप्ता, ज्योति पाण्डेय, माया सिंह, मनीषा गुप्ता, श्रद्धा पाण्डेय, कोमल गुप्ता, आशीष कसौधन, प्रेरणा सिंह, प्रभात त्रिपाठी, साक्षी मिश्रा, दीपाली वर्मा, माया शुक्ला, सिमरन गुप्ता, अभिरामी, वेदिका गुप्ता, शिक्षा बरनवाल, रिया दुबे, खदीजा परवीन, अमित मिश्रा, राम स्वरूप यादव, सौरभ पाण्डेय, अनूप पाण्डेय, रचित गुप्ता, मनजीत सिंह, संजय तिवारी, मोहम्मद सारिक, कुशाग्र मिश्रा, दीप कमल सिंह, गोपाल सिंह, शिवांश उपाध्याय, शुभम पटेल, रवि प्रकाश तिवारी, अभिषेक कुमार धर्मेंद्र तिवारी, गौतम प्रकाश, विकास कुमार चतुर्वेदी अभय कुमार पाण्डेय सहित अनेक शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

बस्ती लिटिल फ्लावर्स स्कूल में मातृ-दिवस पर माताओं का हुआ सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सुरेन्द्र नगर कटरा स्थित लिटिल फ्लावर्स स्कूल में शनिवार को मातृ–दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा छात्र–छात्राओं की माताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। उपहार पाकर सभी माताओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रधानाचार्या अपर्णा सिंह एवं उपस्थित माताओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, माँ सरस्वती एवं विद्यालय की संस्थापिका स्वर्गीय मधुरानी सिंह के चित्र पर माल्यार्पण व पूजन–अर्चन के साथ किया गया। इसके बाद विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कक्षा 10 की छात्रा शताक्षी ने अपने साथियों के साथ 'माँ की ममता' विषय पर आधारित भावपूर्ण नाटक प्रस्तुत कर सभी को भावुक कर दिया। वहीं कक्षा 8 की छात्रा नविहा ने 'तेरी उंगली पकड़कर चला' गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। काव्या एवं उनके सहयोगियों द्वारा 'माँ की ममता' गीत पर प्रस्तुत नृत्य को भी खूब सराहा गया। विद्यालय परिवार द्वारा माताओं के लिए 'अपना बच्चा पहचानो' नामक रोचक खेल का आयोजन किया गया, जिसमें अपारदर्शी पर्दे के पीछे से माताओं को हाथों के स्पर्श से अपने बच्चों को पहचानना था। माताओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया और कार्यक्रम में ममता का भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि "माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं। हमें सदैव उनका सम्मान करना चाहिए।" वहीं प्रधानाचार्या अपर्णा सिंह ने कहा कि "माता के लिए कोई एक दिन नहीं होता, बल्कि हर दिन माता से ही होता है। प्रतिमा में भगवान हों या न हों, लेकिन प्रति–माँ में भगवान अवश्य होते हैं।" कार्यक्रम को सफल बनाने में संध्या तिवारी, अर्पिता सिंह, अंशु, पूजा जायसवाल, तन्मय पाण्डेय, मधु सिंह, साक्षी पाण्डेय सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस दौरान राजमणि वर्मा, वैभव पाण्डेय, आनंद आर्या, प्रीति अस्थाना सहित अन्य शिक्षक–शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयन्ती पर महाराणा प्रताप को किया नमन्: योगदान पर चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शनिवार को श्री राजपूत करणी सेना द्वारा वीर

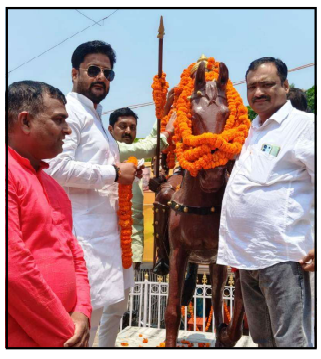

शिरोमणि, महाराणा प्रताप जी की जयंती भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर क्षत्रिय समाज एवं राष्ट्रवादी हिंदू समाज के सैकड़ों लोगों ने एकजुट होकर वीरता और त्याग की मिसाल महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन् किया। प्रातः 9 बजे बड़ी संख्या में कंपनीबाग एकत्रित हुए। वहाँ से गाजे–बाजे एवं रूजय महाराणा प्रताप के गगनभेदी जयघोष के साथ शोभायात्रा निकाली गई, जो महाराणा प्रताप चौक पहुँची। चौक स्थित महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर सभी ने पुष्पांजलि अर्पित किया। इसके बाद भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने महाराणा प्रताप जी के जीवन–चरित्र, शौर्य, स्वाभिमान एवं राष्ट्रभक्ति पर प्रकाश डाला। एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह के प्रतिनिधि हरीश सिंह, राजपूत करणी सेना के पूर्वांचल प्रवक्ता चंद्रेश प्रताप सिंह, बलबीर सिंह चौहान, सदानंद पाल सूर्यवंशी, ठाकुर दीपक सिंह जिला अध्यक्ष राजपूत करणी सेना, राम प्रताप सिंह, राष्ट्रीय सवर्ण शक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी पाण्डेय, राजपूत करणी सेना के पूर्वांचल अध्यक्ष यशवंत सिंह 'रोलू' एवं विवेक मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि महाराणा प्रताप जी ने घास की रोटी

खाकर भी अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की। उन्होंने हमें सिखाया कि स्वाभिमान से बड़ा कोई धन नहीं। आज युवाओं को उनके त्याग, बलिदान और शौर्य से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। महाराणा प्रताप केवल राजपूत समाज के नहीं, सम्पूर्ण हिंदू समाज एवं राष्ट्र के गौरव हैं। माल्यार्पण एवं गोष्ठी में मुख्य रूप से पुलकित सिंह गर्गवंशी, अनिल सिंह, शिवेंद्र सिंह, अमरदेव सिंह कोटिया, अवनीश सिंह, अमितेश प्रताप सिंह, अमन सिंह, राजन सिंह, अजय सिंह, शत्रुघ्न पाल, अतुल सिंह, विनय सिंह, संकटा प्रसाद, आशुतोष सिंह, नागेश सिंह, अशोक सिंह संजय पाण्डेय, शैलेन्द्र सिंह, राहुल सिंह, केसी सिंह, महेश सिंह, अमित पाल, किशन सिंह, अवनीश कुमार मिश्र, शिवम् शुक्ल सहित सैकड़ों राष्ट्रभक्त नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने महाराणा प्रताप जी के आदर्शों पर चलने एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प लिया।

एफएसडीए ने घी–तेल के 11 नमूने जांच को भेजे

बाराबंकी। जिले में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने मिलावटी और घटिया खाद्य पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ के निर्देश और जिलाधिकारी के आदेश पर चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत घी और खाद्य तेल के कुल 11 नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि एफएसडीए की टीमों ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में थोक विक्रेताओं, आपूर्तिकर्ताओं तथा खुदरा दुकानों पर सघन जांच की। इस दौरान अन्य राज्यों में निर्मित और विदेशों से आयातित घी व खाद्य तेल ब्रांडों की गुणवत्ता जांची गई। टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 11 नमूने एकत्र किए। सभी नमूनों को प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कौशल रथ से मदरसे के बच्चों के कौशल में आएगा निखार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बस्ती के युवाओं में कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कौशल

विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा भेजा गया कौशल रथ लालगंज स्थित मदरसा हक्कुल इस्लाम मकतब अरबिया लालगंज पहुंचा, जहां पर मदरसे के प्रधानाचार्य अब्दुल रहीम अशरफी ने रथ का स्वागत किया और बच्चों को कौशल विकास के लिए उनका हौसला बढ़ाया। प्रधानाचार्य अब्दुल रहीम ने कहा कि बच्चों में कौशल बढ़ाने को लेकर हमारी सरकार हमेशा प्रयास करती रही है, केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह द्वारा बस्ती को कौशल रथ के रूप में बड़ी सौगात मिली है, इससे हमारे विद्यालय के बच्चों के भी कौशल को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। मौलाना मोहम्मद शकील ने बस्ती राजा ऐश्वर्य राज सिंह को धन्यवाद ज्ञापित किया कि उनके प्रयास से ही हमारे बच्चों को भी आधुनिक और कम्प्यूटर के ज्ञान से जुड़ने का बेहतरीन अवसर प्राप्त हुआ है। कौशल रस से प्रशिक्षण लेने के लिए मदरसे के बच्चों का रजिस्ट्रेशन कराया गया है। प्रशिक्षण के उपरांत बच्चों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा इससे उन्हें आगे की पढ़ाई और रोजगार में मदद मिलेगा। इस अवसर पर मदरसे के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद इस्माइल, मोहम्मद तुफैल, मोहम्मद एहसान, साजिद अली, मोहम्मद वसीक, अबुल वफ़ा रिज़वी, मोहम्मद यूसुफ, सीमा बानो, इमरान अली, मोहम्मद यासीन, आफताब आलम, सिराजुद्दीन, मोहम्मद असगर, सिदरा खातून, मुस्कान बानो, शाहीन, मनीष पांडे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

'डीएम द्वारा सम्भावित बाढ़ से सुरक्षा के दृष्टिगत करमैनी–बेलौली तटबंध का किया गया स्थलीय निरीक्षण

'संत कबीर नगर । जिलाधि जानकारी लेते हुए आवश्यक आकस्मिक स्थिति से बचाव हेतु सुरक्षात्मक उपायों का प्रबंध ा सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने स्थलीय निरीक्षण के दौरान बंधो के अतिसंवेदनशील तथा संवेदनशील स्थानों के बारे में जानकारी लेते हुए बाढ़ से बचाव के लिए विभिन्न बिन्दुओं पर सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

ाकारी आलोक कुमार द्वारा आगामी बरसात के मौसम मे सम्भावित बाढ़ सेध सुरक्षा के दृष्टिगत मेंहदावल तहसील में राप्ती नदी के दायें तट पर निर्मित करमैनी–बेलौली तटबंध ा का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधि ाकारी द्वारा बाढ़ खंड के संबंधित अधिकारियों से तटबंध पर किए जा रहे कार्यो की दिशा–निर्देश दिए गए। जिलाधि ाकारी ने निरीक्षण के दौरान बाढ़ से सुरक्षा आदि के बिंदु पर स्थानीय ग्रामीणों से वार्ता भी किया।

जिलाधिकारी ने संभावित बाढ़ की तैयारी एवं सजगता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तटबंधों की सतत निगरानी रखी जाए एवं किसी भी

पानी भरे गड्ढे में डूबने से तीन मासूम बच्चों की मौत, डीएम ने दिए जांच के आदेश

कुशीनगर।थाना कसया क्षेत्र के ग्राम गैनपुर तप्पा मैनपुर स्थित पंकज ईंट उद्योग (आरएम मार्का ईंट) पर शनिवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में तीन मासूम बच्चों की पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रातः लगभग 08 बजे ईंट भट्ठे के समीप ईंट निर्माण कार्य हेतु खोदे गए गड्ढे में बरसात का पानी भरा हुआ था। उसी स्थान के पास खेल रहे बच्चों में एक बच्चा अचानक पानी में गिर गया। उसे बचाने के प्रयास में क्रमशः दो अन्य बच्चे भी गड्ढे में गिर पड़े और तीनों की डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से बच्चों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृत बच्चों की पहचान अनन्या पुत्री लक्षन (उम्र लगभग 07 वर्ष), अभय पटेल पुत्र पंचू पटेल (उम्र लगभग 03 वर्ष) तथा अनुष्का पुत्री सुखेन्द्र (उम्र लगभग 02 वर्ष 06 माह) निवासी जनपद बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के रूप में हुई है। तीनों बच्चों के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी हाउस रविंद्रनगर भेज दिया गया है। घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने प्रत्येक मृतक बच्चे के आश्रितों को आपदा राहत मद से 04–04 लाख रुपये की अहैतुक सहायता राशि प्रदान किए जाने की घोषणा की है। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी द्वारा पांच सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है।

कैप्टन आनंद चौधरी बने इंडिगो एयरलाइंस में पायलट, संघर्ष और मेहनत से हासिल की बड़ी सफलता

गोरखपुर। मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर गोरखपुर के कैप्टन आनंद चौधरी ने विमानन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन देश की प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो एयरलाइंस में पायलट के पद पर हुआ है। उनकी इस सफलता से परिवार, मित्रों और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

कैप्टन आनंद चौधरी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गोरखपुर स्थित सेंट पॉल स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने हैदराबाद से एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात उन्होंने एयर इंडिया के मुंबई स्थित प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा बाद में इंडिगो एयरलाइंस में इंजीनियर के पद पर कार्य किया।

कुछ वर्षों तक विमानन क्षेत्र में कार्य करने के दौरान उनके भीतर पायलट बनने का सपना और मजबूत होता गया। अपने इसी सपने को साकार करने के उद्देश्य से उन्होंने इंजीनियर की नौकरी छोड़कर पायलट प्रशिक्षण लेने का निर्णय लिया। उन्होंने कानपुर स्थित गर्ग एविएशन लिमिटेड से पायलट प्रशिक्षण प्राप्त किया और सफलतापूर्वक कमर्शियल पायलट लाइसेंस हासिल किया।

इसके बाद वे उन्नत प्रशिक्षण के लिए दुबई गए, जहां उन्होंने एयरबस ए–320 विमान की विशेष प्रकार प्रशिक्षण योग्यता प्राप्त की। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद वे लगातार विभिन्न एयरलाइंस की चयन परीक्षाओं और साक्षात्कारों में भाग लेते रहे। लंबे संघर्ष और निरंतर प्रयासों के बाद अंततः उनका चयन इंडिगो एयरलाइंस में पायलट के पद पर हुआ। उनकी यह उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत मानी जा रही है। आनंद चौधरी के पिता सिद्धार्थनगर के अपना दल एस के जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर चौधरी भी है

पूर्वोत्तर रेलवे ई–ऑक्शन नोटिस सं.-LJN-PRKG-16-26

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा.), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई–ऑक्शनिंग के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है:-

क्र.स	लॉट सं०	कार्य का विवरण
1	PARKING-LJN-GKP-TW-7-24-1 (Parking-TwoWheeler)	गोरखपुर स्टेशन के आरक्षण कार्यालय स्थित दो पहिया पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, स्कूटर) का ठेका 03 वर्ष हेतु।
2	PARKING-LJN-GKP-MX-143-26-1 (Parking-Mixed)	गोरखपुर स्थित रेल म्युजियम–कम–हैरिटेज प्लाजा में संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु।
3	PARKING-LJN-CLJ-MX-139-25-1 (Parking-Mixed)	कर्नैलगंज स्टेशन के मेन प्रवेश द्वार सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु।
4	PARKING-LJN-BNZ-MX-129-25-1 (Parking-Mixed)	बादशाहनगर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार साईड स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु।
5	PARKING-LJN-GKP-MX-149-25-1 (Parking-Mixed)	गोरखपुर के ललित नारायण मिश्र रेलवे हॉस्पिटल स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया) का ठेका 03 वर्ष हेतु।
6	PARKING-LJN-BLP-MX-122-26-1 (Parking-Mixed)	बलरामपुर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, ट्रैक्टर ट्रॉली) का ठेका 03 वर्ष हेतु।

♦ निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। IREPS पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। ♦ सभी लॉट के लिये ई-ऑक्शन दि०-22-05-2026 को 12:00 बजे प्रारम्भ होकर 22-05-2026 को 13:20 बजे बंद होगी। ♦ इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। ♦ अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे-डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। ♦ विज्ञप्ति सूचना एंव निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट ***www.ireps.gov.in (E-Auction module)*** पर उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य–32 सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

महाराणा प्रताप का जीवन राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान और त्याग की अमर गाथा : सांसद जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

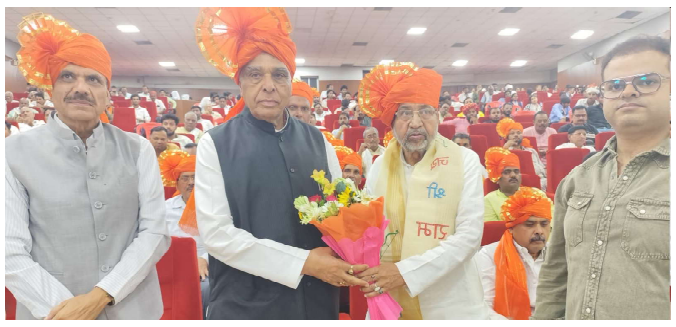

बस्ती। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती के पावन अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डुमरियागंज के लोकप्रिय सांसद जगदम्बिका पाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिलाधिकारी ओ.एन. सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय स्वाभिमान, राष्ट्रभक्ति, पराक्रम एवं त्याग के अद्वितीय प्रतीक हैं। उन्होंने मातृभूमि, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने कभी पराधीनता स्वीकार नहीं की और अपने अदम्य साहस एवं संघर्ष से इतिहास में अमिट स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन आज भी प्रत्येक भारतीय को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा कठिन परिस्थितियों में भी अडिग रहने की प्रेरणा देता है। उनका त्याग, तपस्या और मातृभूमि के प्रति समर्पण सदियों तक देशवासियों को राष्ट्रभक्ति एवं आत्मगौरव की प्रेरणा देता रहेगा। सांसद जगदम्बिका पाल ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि नई पीढ़ी महाराणा प्रताप के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा साथी एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख कृष्ण चंद्र सिंह, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष डॉ. रोली सिंह, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष गोपेश पाल, महेश सिंह, अखंड सिंह, छात्र नेता अमन प्रताप सिंह, रामप्रताप सिंह, सत्येंद्र बहादुर पाल, मारकंडेय सिंह, दिनेश पाल, अंशुमान सिंह, राम आधार पाल, दीपक गोंड सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बरसात से पहले पूरी करें सड़कों की मरम्मत : सांसद जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। लोक निर्माण विभाग में मार्गों एवं सेतुओं के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2026–27 की कार्ययोजना के अनुमोदन के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल ने की। इस अवसर पर विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक डुमरियागंज सैय्यदा खातून, सदस्य विधान परिषद ध्रुव कुमार त्रिपाठी तथा जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन उपस्थित रहे। बैठक में सांसद जगदम्बिका पाल ने लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए अधिशासी अभियंता को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले सभी सड़कों की मरम्मत का कार्य पूर्ण करा लिया जाए। उन्होंने प्रत्येक तीन माह पर समीक्षा बैठक आयोजित करने के भी निर्देश दिए। सांसद ने प्रमुख एवं अन्य जिला मार्गों, राज्य मार्गों तथा धर्मार्थ मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के प्रस्ताव शीघ्र भेजने को कहा। साथ ही जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए प्रस्तावों को भी कार्ययोजना में शामिल करने के निर्देश दिए। बैठक में जनपद के ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क/अनजुड़ी बसावट योजना के अंतर्गत ग्रामीण मार्गों के नवनिर्माण हेतु प्रस्ताव भेजने पर भी जोर दिया गया। सांसद जगदम्बिका पाल ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में स्वीकृत सड़कों की विधानसभावार सूची सभी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) कमल किशोर, बांसी खंड के अधिशासी अभियंता विवेक कुमार राय, समस्त सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पेड़ की डाल से फंदा लगाकर युवक ने दी जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के महादेवा नानकार गांव में एक युवक ने आम के बाग में पेड़ की डाल से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव निवासी 25 वर्षीय दीपक पुत्र बहरैची ने शुक्रवार रात घर के पूरब स्थित आम के बाग में रस्सी के सहारे फंदा लगा लिया। स्वजन के अनुसार रात में भोजन को लेकर माता–पिता ने उसे डांट दिया था, जिसके बाद वह अपने कमरे में चला गया। देर रात वह कब घर से निकलकर बाग में पहुंच गया, इसकी जानकारी किसी को नहीं हो सकी। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने पेड़ से शव लटकता देखा तो परिवार को सूचना दी। घटना की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि दीपक की पहली पत्नी की दो वर्ष पूर्व प्रसव के दौरान मृत्यु हो गई थी। करीब 15 दिन पहले ही उसकी दूसरी शादी हुई थी। घटना के बाद पत्नी का रो–रोकर बुरा हाल है, जबकि माता–पिता भी गहरे सदमे में हैं। ग्रामीणों के अनुसार दीपक का किसी से कोई विवाद नहीं था। थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पकड़ी पेट्रोल पम्प के पास भीषण सड़क हादसा, दुर्घटना में एक की हालत गंभीर

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र अंतर्गत शोहरतगढ़–चेतिया मार्ग पर बुढनईया (पकड़ी) पेट्रोल पम्प के पास डम्पर, पिकअप और बाइक के बीच भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें एक की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही प्रदेश सचिव (शिक्षा मंच) अपना दल (एस) के अनिल चौधरी मौके पर पहुंचे और तत्काल एम्बुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) शोहरतगढ़ पहुंचाया। वहां चिकित्सक डॉ. अभय भारती ने प्राथमिक उपचार व ड्रेसिंग करने के बाद दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला मुख्यालय रेफर कर दिया। घायलों की पहचान दीपक हरिजन पुत्र प्रभु (22 वर्ष) एवं पवन पुत्र राजू निषाद (15 वर्ष), निवासी वार्ड नंबर–06, आर्य नगर (नीबी दोहनी), नगर पंचायत शोहरतगढ़ के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक अपने घर से थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पिपरी स्थित बुआ के घर जा रहे थे, जहां से उन्हें बारात में शामिल होना था। इसी दौरान पकड़ी पेट्रोल पम्प के पास सामने से आ रही पिकअप से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। बुआ के घर पहुंचने से पहले ही दोनों युवक सड़क हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना में शामिल पिकअप वाहन को शोहरतगढ़ पुलिस ने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मौके पर क्राइम इंस्पेक्टर सुभाष यादव, उपनिरीक्षक रामबदन यादव, हेड कांस्टेबल प्रभाकर यादव, हेड कांस्टेबल दिनेश यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप जयंती पर गूंजा अम्बेडकर सभागार, वीरता और राष्ट्रभक्ति का दिखा उत्साह

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मेवाड़ के वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित अम्बेडकर सभागार में श्रद्धा, उत्साह और राष्ट्रभक्ति के माहौल में मनाई गई। कार्यक्रम में जिले भर से पहुंचे लोगों ने महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके त्याग, साहस एवं स्वाभिमान को याद किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेंद्र सिंह रहे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय स्वाभिमान और राष्ट्रनिष्ठा के अमर प्रतीक हैं। उनका जीवन युवाओं को संघर्ष, साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। वक्ताओं ने हल्दीघाटी के युद्ध और महाराणा प्रताप के संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी कभी मुगल सत्ता की अधीनता स्वीकार नहीं की। जंगलों में रहकर और अभावों के बीच जीवन बिताकर भी उन्होंने मातृभूमि की आन–बान और सम्मान की रक्षा की। खचाखच भरे सभागार में "जय महाराणा", "जय श्रीराम" और "जय भारत" के नारों से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से गूंज उठा। कार्यक्रम में विक्रम सिंह, हरिशंकर सिंह, पूर्व विधायक अनिल सिंह, अरविंद कुमार सिंह, हरि सिंह, शिवनाथ चौधरी, संजय सिंह, आनंद सिंह, अखंड प्रताप सिंह, क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष राजन सिंह, कृष्ण पाल सिंह, विक्रांत सिंह उर्फ बिक्कू सिंह, राजू शाही, विकास सिंह हाड़ा, कौशल यादव, सत्येन्द्र प्रताप सिंह, दिलीप त्रिपाठी, कृपाशंकर त्रिपाठी, कौशलेंद्र त्रिपाठी, अजीत सिंह तथा फतेह बहादुर सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजन सिंह ने की जबकि संचालन हरेंद्र बहादुर सिंह ने किया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को महाराणा प्रताप के आदर्शों, साहस और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

पथरा बाजार में धूमधाम से मनाई गई महाराणा प्रताप जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पथरा बाजार क्षेत्र के सेहरी में महान राजपूत योद्धा एवं मेवाड़ के शासक महाराणा प्रताप की जयंती बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेहरी स्टेट के कुंवर विक्रम सिंह ने की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व जिला मंत्री अजय उपाध्याय, जिला मीडिया प्रभारी रमेश मणि, अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र राव तथा अनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय गौतम सहित सैकड़ों लोगों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप के अदम्य साहस, वीरता और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए वीरता के नारे लगाए। वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन त्याग, स्वाभिमान और मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पण का प्रतीक है, जिससे आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मिठवल में भाजपा मंडल की मासिक बैठक आयोजित, संगठन मजबूती पर दिया गया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मिठवल स्थित सरस्वती देवी कन्या इंटर कॉलेज में भाजपा मंडल मिठवल की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष श्रवण चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला मंत्री अजय उपाध्याय रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन एवं जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कुंवर विक्रम सिंह, उपेंद्र प्रताप सिंह, जिला मीडिया प्रभारी रमेश मणि त्रिपाठी, अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय गौतम तथा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र राव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद मंडल अध्यक्ष श्रवण चौधरी द्वारा सभी अतिथियों का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए अजय उपाध्याय ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक शक्ति केंद्र पर मासिक बैठक आयोजित करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बैठक में शक्ति केंद्र संयोजक के साथ एक शक्ति केंद्र प्रभारी भी शामिल होंगे, जिससे बूथ स्तर पर पार्टी को और मजबूती मिलेगी। कुंवर विक्रम सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज संगठन की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है, जिसका श्रेय समर्पित कार्यकर्ताओं को जाता है। वहीं उपेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण के बल पर पार्टी को तीन राज्यों में प्रचंड जीत हासिल हुई है। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानेंद्र मिश्रा ने किया। इस अवसर पर निवर्तमान मंडल अध्यक्ष रमेश धर द्विवेदी, सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र प्रसाद तिवारी, सत्यदेव मणि, सुशील मिश्रा, सत्यदेव त्रिपाठी सहित मंडल के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रतनसेन इंटर कॉलेज एवं डिग्री कॉलेज में मनाई गई `ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। 47 यूपी बटालियन एनसीसी बस्ती के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल के. दूबे के निर्देशन में शुक्रवार को रतनसेन इंटर कॉलेज एवं रतनसेन डिग्री कॉलेज बांसी में 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता की पहली वर्षगांठ पर राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता रैली एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता रैली रतनसेन इंटर कॉलेज के मैदान से प्रारंभ होकर नरकटहां एवं देवियांपुर चौराहा होते हुए रतनसेन डिग्री कॉलेज तक पहुंची। रैली के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। रैली के उपरांत रतनसेन डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में कैप्टन डॉ. राजेश कुमार यादव ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में महत्वपूर्ण व्याख्यान देते हुए इसकी सफलता और राष्ट्रीय सुरक्षा में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि कैप्टन डॉ. संदीप कुमार सिंह ने कैडेटों का उत्साहवर्धन करते हुए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के महत्व पर विस्तार से चर्चा की और युवाओं से राष्ट्रहित में सदैव सजग रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में लेफ्टिनेंट कुलदीप चौधरी ने दोनों एनसीसी अधिकारियों, कैप्टन डॉ. संदीप कुमार सिंह एवं कैप्टन डॉ. राजेश कुमार यादव सहित सभी कैडेटों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कैडेटों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कैडेट दीनदयाल शर्मा, अरविंद सैनी, खुशी, गहना, राशि, छाया, अनन्या सहित 50 गर्ल्स कैडेट एवं 60 बॉयज कैडेट उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर एनसीसी कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास से संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। श्री सिंहेश्वरी इंटर कॉलेज, तेतरी बाजार में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हर्ष एवं उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी एनसीसी कैडेट्स ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कैडेट्स ने ऑपरेशन सिंदूर की वीरगाथा, देशभक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कैडेट्स द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स में भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को जीवंत रूप से दर्शाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विनय अनमोल जी ने छात्रों को संबोधित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने संबोधन में देश की रक्षा में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला तथा कैडेटों को उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों का बोध कराया। उन्होंने कहा कि एनसीसी अनुशासन, एकता और देशसेवा का प्रतीक है। इस अवसर पर विद्यालय के एएनओ लेफ्टिनेंट मुकुल कुमार एवं सेकंड ऑफिसर महेंद्र मौर्य ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक रणजीत चौधरी, गिरिजेश कुमार सिंह, मानसिंह , डॉ. प्रकाश श्रीवास्तव, बृजेश मणि त्रिपाठी, मधुरेंद्र कुमार मिश्र, रामकरन, राम उजागिर वृजेश कुमार,श्री संतोष कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। पूरे विद्यालय परिसर में देशभक्ति का माहौल रहा और कैडेट्स में नया जोश व उत्साह देखने को मिला।

सम्पादकीय

दावे तो बड़े मगर प्रतिनिधित्व कम

इस मुद्दे पर उनका संजीदा व्यवहार क्यों नहीं होता है? आखिर राजनीतिक दलों में ईमानदार इच्छाशक्ति क्यों नहीं नजर आती है? हालिया चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सिर्फ पांच फीसदी महिलाओं का चुना जाना बताता है कि इस दिशा में सभी राजनीतिक दलों का आधी दुनिया के प्रति एक जैसा नजरिया ही होता है। इसलिए जरूरी है कि महिलाएं जागरूक होकर अपने अधिकारों को पाने के लिए ...

एक बार फिर साबित हुआ कि महिला आरक्षण की जोरदार वकालत करने वाले राजनीतिक दल हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने में ईमानदार नहीं हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिये गए टिकटों ने हकीकत बयां कर दी। महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई। हालिया विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिए गए टिकट और उनकी जीत के आंकड़े ने एक बार फिर साबित किया कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण देना अपरिहार्य ही है। किसी भी राजनीतिक दल में स्वतरू ही महिलाओं को ईमानदारी से तैंतीस फीसदी आरक्षण देने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती है। कहा जा सकता है कि सभी दल महिला प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सिर्फ औपचारिकता पूरी करते ही नजर आते हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का अंतिम विकल्प यथाशीघ्र महिला आरक्षण व्यवस्था ही बचती है। विश्वास करें कि सभी राजनीतिक दल महिलाओं को उनका वाजिब हक देने के लिए ईमानदार पहल करेंगे। सवाल है कि जो राजनीतिक दल हाल में महिलाओं को आरक्षण देने और परिसीमन के मुद्दे पर संसद में जमकर राजनीति कर रहे थे, वे टिकट वितरण के समय महिलाओं के हक को लेकर गंभीर क्यों नजर नहीं आए? उन्होंने महिलाओं को पर्याप्त संख्या में टिकट देने के प्रति उत्साह क्यों नहीं दिखाया? सही मायने में जब तक विधायिका में महिला आरक्षण व्यवस्था हकीकत में लागू नहीं होती, तस्वीर नहीं बदलने वाली है। सवाल यही है कि जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक लागू करने में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी प्रतिबद्धता जतायी है तो टिकट बांटते समय उनकी सोच क्यों नहीं बदलती? उनकी कथनी-करनी का यह अंतर कब तक जारी रहने वाला है? इस मुद्दे पर उनका संजीदा व्यवहार क्यों नहीं होता है? आखिर राजनीतिक दलों में ईमानदार इच्छाशक्ति क्यों नहीं नजर आती है? हालिया चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सिर्फ पांच फीसदी महिलाओं का चुना जाना बताता है कि इस दिशा में सभी राजनीतिक दलों का आधी दुनिया के प्रति एक जैसा नजरिया ही होता है। इसलिए जरूरी है कि महिलाएं जागरूक होकर अपने अधिकारों को पाने के लिए अपना संघर्ष तेज करें। अन्यथा राजनीतिक दल दशकों से लटके मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार ही काम करेंगे। निश्चय ही हालिया विधानसभा के चुनाव परिणाम बताते हैं कि आधी दुनिया को जनप्रतिनिधि संस्थाओं में वाजिब हक दिलाने में राजनीतिक दलों की कवायद से, उनकी ईमानदारी को लेकर सवाल खड़े होना स्वाभाविक ही है।

देखो झालमुड़ी का जलवा, कर दिया कमाल

झालमुड़ी का कमाल देखिए बंगाल की शेरनी कही जानेवाली ममता दीदी की दहाड़ भी उसके सामने फीकी पड़ गयी। बल्कि अब तो कहा जा रहा है कि दहाड़ कहां रही, अब तो सिसकियां बची हैं। वैसे तो विरोधी भाजपा पर अकूत धनबल का आरोप लगाते नहीं थकते, लेकिन कहा जा रहा है कि बंगाल में उसे चुनाव तो दस रुपये की झालमुड़ी ने ही जिताया। खैर, झालमुड़ी को अब देश में वही सम्मान प्राप्त हो सकता है जो कई वर्ष से बुलडोजर को हासिल है। फिर चाहे बुलडोजर के सामने उसकी स्थिति हाथी के सामने चींटी वाली ही क्यों न हो। झालमुड़ी का कमाल देखो कि बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता दीदी की दहाड़ भी उसके सामने फीकी पड़ गयी। बल्कि अब तो कहा जा रहा है कि दहाड़ कहां रही, अब तो सिसकियां निकल रही हैं। कुछ लोग बंगाल में भाजपा की जीत का श्रेय झालमुड़ी के साथ ही साथ मछली भक्षण को भी दे रहे हैं। अब जाहिर है कि मछली भक्षण का झालमुड़ी से तो कोई मुकाबला नहीं हो सकता। क्योंकि झालमुड़ी तो खायी थी प्रधानमंत्रीजी ने और मछली खायी अनुराग ठाकुर ने। ऐसे में खुद अनुराग ठाकुर ही यह मुकाबला नहीं चाहेंगे। बल्कि वे इस मुकाबले को विरोधियों की साजिश भी करार दे सकते हैं। यार, यह लोग नहीं बनने देंगे मंत्री! खैर, रविकिशन बंगालियों को चार गुना ज्यादा मछली खिलाने का वादा कर गए। डर यही है कि कहीं इस वादे को भी पंद्रह लाख वाले वादे की तरह जुमला ही न करार दे दिया जाए। जो भी हो, भाजपा और तृणमूल कांग्रेस का मुकाबला तो खूब हुआ, लेकिन ममता दीदी और हिमंता बिश्व शर्मा के बीच का वह मुकाबला नहीं हुआ, जिसमें हिमंता ने ममता दीदी को यह चुनौती दी थी कि वह ममता दीदी के सामने बैठकर उनसे एक किलो ज्यादा मछली खा जाएंगे। एक जमाने में नेताओं में मुकाबला यह होता था कि कौन ज्यादा सादा जीवन जीता है, फिर मुकाबला यह होने लगा कि कौन ज्यादा घोटाला करता है और अब मुकाबला यह होने लगा है कि कौन ज्यादा खाएगा। एक मोदीजी हैं जो यह कहते-कहते थक गए कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा। वे दस रुपये की झालमुड़ी खाकर काम चला रहे हैं और एक हिमंता बिश्व शर्मा हैं कि मुकाबले की चुनौती दे रहे हैं कि वे अच्छी से अच्छी और महंगी से महंगी मछली भी ममता दीदी से एक किलो ज्यादा खा सकते हैं। अच्छी बात यह है कि अब चुनाव झालमुड़ी, मछली भक्षण तथा फुटबाल वगैरह पर होने लगे हैं, वरना तो साहब एक जमाना वह भी था, जब चुनाव भूख, गरीबी और बेरोजगारी पर होता था। फिर वह बिजली, सड़क और पानी पर होने लगा-जिसे बीएसपी कहा जाता था। फिर एक वक्त वह भी आया जब मोदीजी चुनावी मुद्दे के रूप में विकास को लेकर आए। लेकिन अब इन सब मुद्दों का कोई मतलब नहीं। झालमुड़ी खाओ, मछली खाओ। राज करो! नहीं क्या?

प्रोजेक्ट और पेटेंट बन गए करिअर की नींव

खासकर सीएसई, आईटी, ईसीई, मैकेनिकल और सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थी समझें कि परीक्षाओं में अच्छे अंक लाना तो आवश्यक है, किंतु यही सब कुछ नहीं है। नौकरी बाजार में वही छात्र आगे निकलते हैं जो अपनी पढ़ाई के साथ-साथ नवाचार, शोध और व्यावहारिक कार्यों में भी हाथ आजमाते हैं। एक सशक्त प्रोजेक्ट और एक पेटेंट केवल कागज की उपलब्धियां नहीं हैं ये छात्र की चिंतन, समस्या-समाधान...

सही मायने जो छात्र अपने ज्ञान को नवाचार और व्यावहारिक उपलब्धियों के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं, वे न केवल नियोक्ताओं को बल्कि समाज को भी यह बताते हैं कि भारत का युवा केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि समाधानकर्ता और निर्माता है। आज के प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक और व्यावसायिक परिवेश में केवल डिग्री प्राप्त करना किसी छात्र की योग्यता का पर्याप्त प्रमाण नहीं माना जाता। नियोक्ता अब ऐसे युवाओं की तलाश में हैं जो न केवल पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान से परिचित हों, बल्कि वास्तविक जीवन की जटिल समस्याओं को सुलझाने की दृष्टि व क्षमता भी रखते हों। हाल ही में बी.टेक के कुछ प्रतिभाशाली छात्रों की एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई, जिन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ-साथ उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। एक अत्याधुनिक कृषि-तकनीक परियोजना और एक पेटेंटेड जूते का डिजाइन और इन्हीं उपलब्धियों ने उनके करिअर का मार्ग प्रशस्त किया। पहली उपलब्धि थी एक अनूठी कृषि-तकनीक परियोजना, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) को मशरूम की व्यावसायिक खेती के साथ जोड़ा गया। मशरूम की खेती एक अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया है, जिसमें तापमान, आर्द्रता, प्रकाश व वायु संचरण का सटीक नियंत्रण अनिवार्य होता है। यह कार्य पूरी तरह मानवीय श्रम पर निर्भर था, जिससे न केवल उत्पादन लागत बढ़ती थी, बल्कि मानवीय चूक से फसल खराब होने का जोखिम भी रहता था। इन छात्रों ने आईओटी सेंसर्स, स्वचालित एक्चुएटर्स और एआई आधारित डेटा विश्लेषण को मिलाकर एक ऐसा स्मार्ट सिस्टम विकसित किया, जो मशरूम

फार्म की पर्यावरणीय परिस्थितियों की रियल-टाइम निगरानी करता है और आवश्यकतानुसार स्वतः समायोजन करता है। इस प्रणाली की उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि इसने मशरूम उत्पादन में मैन्युअल हस्तक्षेप को पचास प्रतिशत तक कम किया। यानी आधी मेहनत, आधी लागत और दोगुनी दक्षता। परियोजना ने न केवल स्थानीय किसानों की उत्पादकता में सुधार का मार्ग दिखाया, बल्कि बताया कि आधुनिक तकनीक कृषि क्षेत्र में किस प्रकार क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।

इस प्रोजेक्ट के दौरान छात्रों ने गहन शोध किया, विशेषज्ञों से मार्गदर्शन पाया और तकनीकी बाधाओं को पार कर एक कार्यशील प्रोटोटाइप तैयार किया। परियोजना केवल एक शैक्षणिक अभ्यास नहीं थी कृवरन वास्तविक समस्या का वास्तविक समाधान था, जो उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप था व किसानी जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने में सक्षम था। इसके समानांतर, इन छात्रों ने एक बिल्कुल भिन्न क्षेत्र में भी अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। उन्होंने एक विशेष जूते के तलवे का डिजाइन तैयार किया, जो एड़ी की समस्याओं जैसे प्लांटर फेसाइटिस, हील स्पर और दीर्घकालिक एड़ी दर्द से पीड़ित लोगों को अधिकतम आराम और राहत प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह महज एक फुटवियर उत्पाद नहीं, बल्कि स्वास्थ्य-केंद्रित इंजीनियरिंग समाधान है। इस डिजाइन में बायोमेकेनिकल सिद्धांतों का उपयोग करते हुए एड़ी पर पड़ने वाले दबाव को समान रूप से वितरित किया गया है, जिससे चलने-फिरने के दौरान दर्द में खासी कमी आती है। इस डिजाइन की मौलिकता और व्यावसायिक संभावनाओं को देखते हुए छात्रों ने इसके लिए पेटेंट आवेदन दाखिल किया। पेटेंट प्राप्त करना किसी भी इंजीनियरिंग छात्र के लिए एक असाधारण उपलब्धि है, जो आधिकारिक प्रमाण है कि उनका विचार मौलिक, उपयोगी और संरक्षण के योग्य है। इस पेटेंट ने न केवल उनके बौद्धिक योगदान को मान्यता दी, बल्कि उनके रिज़्यूमे को एक ऐसी विशिष्टता प्रदान की, जो किसी भी परीक्षा में अर्जित अंकों से अधिक प्रभावशाली थी। जब ये छात्र नौकरी के लिए साक्षात्कार देने पहुंचे, तो उनके रिज़्यूमे ने साक्षात्कारकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। सामान्यतः फ्रेशर्स से शैक्षणिक ज्ञान की ही अपेक्षा की जाती है, परंतु इन छात्रों के पास इससे कहीं अधिक थाकृ एक सिद्ध परियोजना, जिसने कृषि क्षेत्र में पचास फीसदी श्रम कम किया, और एक पेटेंटेड आविष्कार जो लाखों लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित करने की क्षमता रखता था। साक्षात्कार के दौरान उन्होंने अपनी परियोजना की तकनीकी कार्यप्रणाली, विकास के दौरान आई चुनौतियों व समाधान के बारे में विस्तार से बताया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने महसूस किया कि ये युवा न केवल सैद्धांतिक रूप से सक्षम हैं, बल्कि व्यावहारिक समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान ढूंढने की दुर्लभ प्रतिभा भी रखते हैं। उनकी इस बहुआयामी क्षमताकृ जो एआई और आईओटी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से लेकर उत्पाद डिजाइन और बौद्धिक संपदा तक फैली हुई थी, ने उन्हें हजारों अन्य उम्मीदवारों की भीड़ में स्पष्ट रूप से अलग और विशिष्ट बना दिया। परिणामस्वरूप, उन्हें प्रतिष्ठित कंपनियों से आकर्षक जॉब ऑफर प्राप्त हुए और उन्होंने एक उज्ज्वल करिअर की नींव रखी। निस्संदेह, यह प्रेरक उदाहरण हर उस छात्र हेतु महत्वपूर्ण संदेश है जो अपने करिअर को लेकर गंभीर हैं।

टीवीके यानी 'स्टार्टअप' राजनीतिक विकल्प

जहां कांग्रेस का उदय स्वतंत्रता आंदोलन से हुआ, वहीं भाजपा, माकपा, बसपा और `आप' का उदय उनकी राजनीतिक गतिविधियों के सहारे हुआ। एनपीपी मुख्यतः मेघालय की पार्टी है, जिसका गठन पीए संगमा ने 2013 में किया था। टीवीके की तुलना 1982 में आंध्र प्रदेश में उभरी तेलुगु देशम से की जा सकती है, जिसके पीछे फिल्म अभिनेता एनटी रामाराव की लोकप्रियता थी। वर्ष 1972 में ...

टीवीके की सफलता के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन-जी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के जरिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इन्हें नेताओं की जवाबदेही को भी समझना होगा। समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा के नायकों की तरह खासतौर से नहीं। तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव-परिणामों ने देश में एक नए राजनीतिक 'स्टार्टअप' का नाम जोड़ा है। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके का चुनावी पदार्पण बेहद शानदार रहा है। 'स्टार्टअप' शब्द बिजनेस से आया है। तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों को यह नाम दिया जाता है और एक अरब डॉलर से ऊपर का कारोबार करने वाली कंपनी को 'यूनिकॉर्न' कहते हैं। माना जा रहा है कि टीवीके ने रातों-रात भारतीय राजनीति में 'यूनिकॉर्न' बनकर दिखाया है। तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनावी मुकाबले के बाद तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), आम आदमी पार्टी (आप), असम गण परिषद (एजीपी) और वाईएसआर कांग्रेस (वाईएसआरसीपी) जैसी पार्टियों के नक्शे-कदम सफलता हासिल की है। वह बेशक पहले ही राउंड में 'यूनीकॉर्न' बनकर उभरी है, पर पर्यवेक्षक मानते हैं कि उसे अभी कठोर परीक्षा से गुजरना होगा। अभी यह सेमीफाइनल जैसा लगता है। शायद साल-दो साल, नई सरकार आए या फिर से चुनाव कराने पड़ें। टीवीके के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन-जी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के जरिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इस पीढ़ी को घोषणापत्र पढ़ना, आर्थिक मुद्दों का अध्ययन करना या नेताओं की जवाबदेही का मतलब भी समझना होगा। परंपरागत राजनीति में भी युवा ही आगे आते हैं। पर समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा को नायकों की तरह खासतौर से नहीं। तमिलनाडु में सिनेमा और

राजनीति का गहरा संबंध रहा है। अन्नादुरै, एमजीआर, करुणानिधि और जयललिता जैसे सिनेकर्मी अपनी फिल्मी लोकप्रियता के दम पर मुख्यमंत्री बने। पर वे स्पष्ट एजेंडा और दीर्घकालिक रणनीतियों वाले राजनीतिक नेताओं के रूप में परिपक्व हुए। पहली नजर में लग सकता है कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है, एक और अभिनेता राजनीति में प्रवेश कर रहा है। लेकिन हकीकत में विजय के पीछे युवाओं का अंधाधुंध समर्थन, भोलापन है। राजनीतिक-परिपक्वता नहीं। राज्य के मतदाता सत्ता-विरोधी लहरों पर सवार हैं। दशकों से वे द्रमुक और अद्रमुक दोनों को रोटेट करके नियंत्रित रखते आए हैं। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में जयललिता के निधन के बाद, नेतृत्व के अभाव और पार्टी की अंदरूनी खींचतान के कारण अन्नाद्रमुक पृष्ठभूमि में चली गई है। इस शून्य के कारण संभवतः टीवीके का उदय हुआ है। टीवीके संगठित प्रशंसक क्लब है। इसके ज्यादातर कार्यकर्ता विजय के प्रशंसक हैं, जो फिल्मों के रिलीज पर खुशी मनाने के आदी हैं, नीतियों पर बहस करने के नहीं। डीएमके, एआईएडीएमके, सीपीआई, सीपीआई-एम, वीसीके आदि जैसी सभी प्रमुख कार्यकर्ता-आधारित पार्टियों के विपरीत, जो राजनीतिक शिक्षा पर जोर देती हैं। भारत में राजनीतिक 'स्टार्टअप' को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में रख सकते हैं। एक, किसी आंदोलन से उत्पन्न, दो, किसी पारिवारिक नाम, व्यक्तित्व या वंश के इर्द-गिर्द निर्मित, और तीन, किसी सामाजिक या धार्मिक समूह या विशिष्ट विचारधारा के इर्द-गिर्द विकसित। आंध्र में अस्सी के दशक में एनटी रामाराव के नेतृत्व में तेलुगु देशम को और दिल्ली में आम आदमी पार्टी को काफी सफलता मिली, पर दोनों मौकों पर जनता को विकल्पों की जबर्दस्त जरूरत थी। वर्ष 1977 में जनता पार्टी भी राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा ही 'स्टार्टअप' था। 1967 में जब देश में गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ, तब भी वह विकल्प खोजने का प्रयास था। टीडीपी ने अपने गठन के एक साल बाद, 1983 में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल की थी और 201 सीटें जीती थीं। एजीपी ने 1985 में अपने गठन के तुरंत बाद असम आंदोलन से जुड़े स्वतंत्र प्रतिनिधियों के समर्थन से सरकार बनाई थी। 1977 में जनता पार्टी ने तो 'यूनिकॉर्न' के रूप में ही शुरुआत की थी, पर वह अपने अंतर्विरोधों को संभाल नहीं पाई और देखते ही देखते अनेक दलों में विभाजित हो गई। बहुत कम राजनीतिक स्टार्टअप 'यूनिकॉर्न' बन पाए हैं। कुछ को समय लगा, जबकि कुछ विफल हो गए। पिछले साल बिहार में जन सुराज पार्टी के साथ ऐसा ही हुआ। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन की मक्काल नीधि मय्यम भी ऐसी ही एक पार्टी है। बिहार में पुष्पम प्रिया चौधरी के नेतृत्व वाली प्लूरल्स पार्टी जैसी कई छोटी-छोटी नवगठित पार्टियां हैं। वहीं, जीतन राम मांझी का हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (धर्मनिरपेक्ष) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा जैसी छोटी पार्टियां भी हैं, जिनकी महत्वाकांक्षाएं सीमित हैं और वे कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित हैं। उ.प्र. में निषाद पार्टी, पीस पार्टी, अपना दल (सोनेलाल) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) जैसी पार्टियां हैं, पर ज्यादातर सीमित जातीय क्षेत्र होने के कारण बड़े स्तर पर जगह नहीं बना पाईं। इस किस्म के प्रयासों की संख्या बहुत बड़ी है। देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें तो छह राष्ट्रीय पार्टियां हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मई, 2026 तक इनमें भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), बहुजन समाज पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी और आम आदमी पार्टी इस श्रेणी में शामिल हैं।

रूस ने ईरान को थमा दिया ब्रह्मास्त्र, पुतिन के चक्रव्यूह में कैसे फंस गए ट्रंप?

समंदर में अमेरिका और ईरान के बीच बीती रात जो टकराव हुआ उसने पूरी दुनिया को फिर से तीसरे विश्व युद्ध जैसे डर की तरफ धकेल दिया है। लेकिन अब इस जंग में सबसे बड़ा और सबसे खतरनाक मोड़ रूस की एंट्री मानी जा रही है। खबर है कि व्लादमीर पुतिन ने ईरान के लिए अपना ऐसा रूसी चक्रव्यूह खोल दिया जिसे तोड़ना अमेरिका जैसी महाशक्ति के लिए भी आसान नहीं होगा। द इकोनॉमिस्ट की एक रिपोर्ट ने पूरी दुनिया में हलचल पैदा कर दी है। दावा किया गया है कि रूस की खुफिया एजेंसी जीआरयू ने ईरान के लिए एक सीक्रेट मास्टर प्लान तैयार किया है। इस प्लान के तहत तेहरान को 5000 ऐसे फाइबर ऑप्टिक ड्रोन दिए जा रहे हैं जिन्हें दुनिया का कोई इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम ट्रैक नहीं कर पाएगा। यानी अब जंग सिर्फ मिसाइलों और जहाजों की नहीं रही बल्कि टेक्नोलॉजी की ऐसी लड़ाई बन चुकी है जहां दुश्मन को हमला दिखेगा भी नहीं। सबसे खतरनाक बात यह बताई जा रही है कि यह ड्रोन किसी रेडियो सिग्नल पर नहीं चलते। इन्हें एक बेहद पतली फाइबर ऑप्टिक केबल के जरिए कंट्रोल किया जाता है। इसका सीधा मतलब है कि अमेरिका के सबसे महंगे जैमर्स भी इन्हें रोक नहीं पाएंगे। यानी नो सिग्नल, नो जैमी। इन ड्रोंस में ऑपरेटर को बेहद क्लियर लाइव वीडियो मिलता है जिससे 40 किमी दूर बैठे दुश्मन पर भी सटीक हमला किया जा सकता है।

रिपोर्ट में दावा किया गया कि इनकी वजह से युद्ध के मैदान में एक ग्रे जोन बन जाएगा जहां अमेरिकी सैनिकों को समझ ही नहीं आएगा कि हमला आखिर कहां से हो रहा है। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। रूस अब ईरान को लंबी दूरी वाले सेटेलाइट ड्रोन देने की तैयारी में भी बताया जा रहा है। और सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन ड्रोंस में कथित तौर पर स्टार्लिंग टर्मिनल्स का इस्तेमाल हो सकता है। यानी वही स्टारलिंग जिसे एलन मस्क की कंपनी चलाती। दावा यह भी किया गया कि यूक्रेन में रूस के लिए स्टारलिंग सेवाएं सीमित थी। लेकिन मिडिल ईस्ट में ऐसी पाबंदियां फिलहाल नहीं है। अगर ऐसा हुआ तो ईरानी ड्रोन हजारों किलोमीटर दूर तक अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने में सक्षम हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक रूस सिर्फ हथियार नहीं दे रहा बल्कि ईरान की पूरी ड्रोन आर्मी तैयार करने में जुटा हुआ है। इसके लिए तीन लेयर वाला सिक्योरिटी नेटवर्क बनाया जा रहा है। पहली लेयर में रूस की यूनिवर्सिटीज में पढ़ रहे करीब 10,000 ईरानी छात्रों को ड्रोन ऑपरेशंस की ट्रेनिंग देने की बात कही गई। दूसरी लेयर में ताजिक लोगों को शामिल किया जा रहा है क्योंकि वे रूसी और फारसी दोनों भाषाएं समझते हैं। और तीसरी लेयर में सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशरल असद के वफादार लड़ाकों को जोड़ने का दावा किया गया। माना जा रहा है कि यह पूरा प्लान तब तेज हुआ जब खबर आई कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ईरान के सबसे अहम तेल केंद्र खारग द्वीप पर कब्जे की तैयारी कर रहा था। खार्ग वही जगह है जहां से ईरान के तीर निर्यात का बड़ा हिस्सा निकलता है। अगर यहां हमला होता तो ईरान की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लग सकता है। अब रूस की इस कथित मदद के बाद तस्वीर बदलती दिख रही है। कहा जा रहा है कि पुतिन ने ईरान को ऐसी तकनीकी ढाल दे दी है जिससे अमेरिका का मिशन मुश्किल में पड़ सकता है।

लेबनान में हिज्ला पहले ही ऐसे रूसी डन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके इसरली सेना को चुनौती देता दिखाई दे चुका है। और अब अगर यही सिस्टम ईरान के हाथों में बड़े स्तर पर पहुंचता है तो मिडिल ईस्ट की जंग और ज्यादा खतरनाक मोड़ ले सकती है। अब दुनिया की नजर सिर्फ एक सवाल पर टिकी है। क्या ट्रंप रूसी चक्रव्यूह को तोड़ पाएंगे या फिर ईरान की ये नई किलर मशीनें अमेरिका के लिए ऐसा डरावना सपना बन जाएंगी जिससे बाहर निकलना बेहद मुश्किल होगा। कल तक अमेरिका को ना कर रहे सऊदी अरब ने आखिरकार हां कर दी है। जी हां, ईरान, अमेरिका, इसराइल टेंशन के बीच मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बड़ी खबर आ रही है। जिसमें कहा जा रहा है कि सऊदी अरब ने अमेरिकी फर्सेस को अपने यहां मौजूद एयरबेस और अपना एयर स्पेस इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल की ये रिपोर्ट छपी है। यह खबर इसलिए भी अहम है कि इससे पहले सऊदी ने हॉर्मोस छुड़वाने के लिए ईरान के खिलाफ किसी भी कारवाई के लिए अपने एयरबेस देने से मना कर दिया था। जिसके चलते अमेरिका को अपना प्रोजेक्ट फ्रीडम ऑपरेशन ही रोकना पड़ गया था।

बड़ा सवाल यह है कि कल तक अमेरिका को साफ मना कर चुका सऊदी अचानक कुछ ही घंटों में ईरान के खिलाफ कैसे हो गया? इस पर एक्सपर्ट कहते हैं कि दरअसल अमेरिकी और पश्चिमी मीडिया में इस तरह की खबरें जानबूझकर भी प्लांट करवाई जाती हैं। मिडिल ईस्ट एक्सपर्ट तो यह भी कयास लगाते हैं कि यूएई जो कि सीधे तौर पर अमेरिका और इसराइल के खेमे में है, अपने दो दुश्मनों को निपटाना चाह रहा है। एक है ईरान और दूसरा है सऊदी। यूएई भी अपने दोस्तों के साथ मिलकर इस तरह की खबरें चलवाता है जिससे सऊदी और ईरान के बीच इख्तलाफ पैदा हो और ईरान गुस्से में सऊदी पर एक आध बड़ा हमला कर दे जिससे माहौल बन जाए।

केकेआर के ऑल राउण्डर कैमरन ग्रीन का बड़ा बयान, चार ओवर की गेंदबाजी के लिए पूरी तरह तैयार हूं

कैमरन ग्रीन ने कहा कि वह आईपीएल 2026 में अपनी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए चार ओवर गेंदबाजी करने के लिए तैयार हैं और किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए आश्वस्त हैं। केकेआर ने लगातार चौथी जीत दर्ज करके टूर्नामेंट में शानदार वापसी की है। फिन एलन के नाबाद शतक की बदौलत केकेआर ने शुक्रवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में डीसी को आठ विकेट से हराया। शुरुआती छह मैचों में बिना जीत के अभियान की शुरुआत करने के बावजूद, केकेआर अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।

ग्रीन ने मैच में सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी करते हुए नीतीश राणा का विकेट लिया और 33 रनों का योगदान देकर अपनी टीम को जीत दिलाई। ग्रीन ने केकेआर के लिए शुरुआती दो मैचों में पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण गेंदबाजी नहीं की थी। गेंदबाजी में वापसी से पहले उन्होंने शुरुआती मैचों में एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेला था। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ग्रीन ने अपनी गेंदबाजी भूमिका और बल्लेबाजी क्रम के बारे में बात की और नीलामी में अपनी कीमत को लेकर पड़े दबाव पर भी प्रकाश डाला।

अपनी गेंदबाजी की भूमिका के बारे में बात करते हुए ग्रीन ने कहा कि मैं चार ओवर गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। मुझे लगता है कि हमारी टीम की संरचना ऐसी है कि हमारे पास अनुकूल रॉय हैं, जो हमारे लिए असाधारण प्रदर्शन कर रहे हैं और एक या दो ओवर गेंदबाजी करते हैं। इसका मतलब है कि मैं केवल दो या तीन ओवर ही गेंदबाजी कर सकता हूं, जो हमारे लिए बहुत मददगार साबित हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि बाएं हाथ के ऑलराउंडर का होना मध्य ओवरों में गेंदबाजी करने में सहायक है और मैं पावर प्ले में, डेथ ओवरों में या मध्य ओवरों में भी गेंदबाजी कर सकता हूं। इसलिए, मुझे लगता है कि हमारी टीम की संरचना ऐसी है कि हमारे पास छह गेंदबाज हैं जिन पर हम निर्भर रह सकते हैं और जाहिर है, अनुकूल और मैं ऑलराउंडर हैं। इसलिए, हम एक–दूसरे की मदद करते हैं और अपने चार ओवर गेंदबाजी करते हैं।

अपना तीसरा आईपीएल सीजन और केकेआर के लिए पहला सीजन खेल रहे ग्रीन ने इस सीजन में अब तक 232 रन बनाए हैं और गेंद से चार विकेट भी लिए हैं। अपनी बल्लेबाजी की स्थिति के बारे में बात करते हुए, इस ऑलराउंडर ने कहा कि हमारी टीम शायद सही संयोजन और बल्लेबाजी के लिए खिलाड़ियों की उपयुक्त स्थिति का पता लगाने में लगी हुई थी। जाहिर है, हमें यह तय करने में कुछ मैच लगे कि मेरे लिए और टीम के अन्य खिलाड़ियों के लिए कौन सी स्थिति सबसे अच्छी है। इसलिए मुझे लगता है कि अब हम एक अच्छी स्थिति में हैं।

सूर्या और श्रेयश नहीं, टी20 विश्व कप का प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनेगा टीम इण्डिया का कैप्टन!

पिछले कुछ महीनों में शानदार प्रदर्शन के चलते संजू सैमसन भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने के प्रबल दावेदार के रूप में उभरे हैं। जागरण की एक रिपोर्ट के अनुसार, अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चयन समिति सैमसन की निरंतरता, धैर्य और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नेतृत्व क्षमता से बेहद प्रभावित है। संजू सैमसन ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और शुरुआती मैचों में न खेलने के बावजूद उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार मिला।

गौतम गंभीर की अगुवाई वाली टीम प्रबंधन ने शुरुआत में अभिषेक शर्मा और ईशान किशन को प्राथमिकता दी थी, इसलिए विकेटकीपर–बल्लेबाज सैमसन को नजरअंदाज कर दिया गया था। हालांकि, प्लेइंग इलेवन में वापसी के बाद, सैमसन ने दबाव में रहते हुए वेस्ट इंडीज के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में नाबाद 97 रनों की मैच–विनिंग पारी खेली। इसके बाद उन्होंने नॉकआउट चरण में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड दोनों के खिलाफ 89 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं।

खबरों के मुताबिक, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मौजूदा सीजन खत्म होने के बाद आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए सैमसन को कप्तानी सौंपी जा सकती है। अगर चयनकर्ता तत्काल कप्तानी में बदलाव नहीं करने का फैसला करते हैं, तो मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव अस्थायी रूप से कप्तानी जारी रख सकते हैं, हालांकि उनके हालिया फॉर्म पर सवाल उठ रहे हैं। सूर्यकुमार ने आईपीएल 2026 में काफी संघर्ष किया है, 10 मैचों में उन्होंने सिर्फ 195 रन बनाए हैं, जिनका औसत 19.52 है। टी20 विश्व कप में अमेरिका के खिलाफ एक उल्लेखनीय पारी को छोड़कर उनके निराशाजनक प्रदर्शन ने कप्तानी में बदलाव को लेकर चर्चाओं को और तेज कर दिया है। इस बीच, श्रेयस अय्यर को भी कप्तानी के संभावित विकल्प के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन खबरों के मुताबिक दिसंबर 2023 से भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से उनकी अनुपस्थिति उनके लिए नुकसानदायक साबित हुई है। चयनकर्ताओं का मानना घ्है कि कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपने से पहले अय्यर को टीम में अपनी जगह पक्की करनी होगी। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सैमसन का शानदार आईपीएल प्रदर्शन, जहां उन्होंने इस सीजन में कई शतकों के साथ पहले ही 400 रन का आंकड़ा पार कर लिया है, साथ ही राजस्थान रॉयल्स में कप्तानी का उनका पूर्व अनुभव, भारत के अगले टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के रूप में उनके दावे को और मजबूत करता है।

पाकिस्तान के शिया कर्मचारियों को धक्के मारकर देश से बाहर निकाल रहा है यूएई, दोनों देशों के रिश्ते और बिगड़े

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात के रिश्तों में गहरी दरार दिखाई देने लगी है। हाल के दिनों में संयुक्त अरब अमीरात द्वारा हजारों पाकिस्तानी शिया कामगारों को बाहर निकाले जाने की खबरों ने इस तनाव को और गंभीर बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय समाचार पत्रों की रिपोर्टों के अनुसार, अमीरात सरकार ने अप्रैल के मध्य से पाकिस्तानी शिया समुदाय के लोगों पर कार्रवाई तेज कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम को पाकिस्तान की विदेश नीति, ईरान और सऊदी अरब के साथ उसके रिश्तों तथा खाड़ी क्षेत्र की बदलती राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

एक प्रमुख अमेरिकी समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात पाकिस्तान से इस बात से नाराज है कि उसने ईरान के हमलों की खुलकर निंदा नहीं की। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान ईरान ने अमीरात पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। अमीरात चाहता था कि पाकिस्तान खुलकर उसका समर्थन करे, लेकिन इस्लामाबाद ने खुद को मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत कराने का प्रयास किया, जिसे अबू धाबी ने अपने हितों के खिलाफ माना।

विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की यही संतुलनकारी नीति अब उसके लिए परेशानी बन गई है। पाकिस्तान एक ओर सऊदी अरब के साथ अपने पुराने और घनिष्ठ रिश्ते बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ भी संबंध खराब नहीं करना चाहता। लेकिन अमीरात को लगने लगा है कि पाकिस्तान ईरान के प्रति नरम रुख अपना रहा है। इसी वजह से अबू धाबी और इस्लामाबाद के बीच अविश्वास बढ़ता जा रहा है।

रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अमीरात में काम कर रहे कई पाकिस्तानी शिया कर्मचारियों को बिना स्पष्ट कारण हिरासत में लिया गया और बाद में उन्हें देश से बाहर भेज दिया गया। पाकिस्तान के भीतर शिया संगठनों का कहना है कि अब तक हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के शिया बहुल गांवों में भी सैकड़ों लोगों के वापस लौटने की जानकारी सामने आई है। कई कामगारों ने आरोप लगाया कि उन्हें कुछ दिनों तक हिरासत में रखने के बाद आपात यात्रा दस्तावेज देकर पाकिस्तान भेज दिया गया।

कुछ निर्वासित कामगारों ने कहा कि उन्हें कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया। उनका कहना था कि केवल शिया होने के कारण उन्हें निशाना बनाया गया। वहीं पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों से इंकार किया है। मंत्रालय का कहना है कि जिन लोगों को बाहर निकाला गया, वे आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे। पाकिस्तान सरकार ने इस मुद्दे पर अमीरात के खिलाफ खुलकर कोई कड़ा बयान नहीं दिया है। इसकी सबसे बड़ी वजह पाकिस्तान की आर्थिक मजबूरी मानी जा रही है।

संयुक्त अरब अमीरात पाकिस्तान के लिए बेहद महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार है। करीब बीस लाख पाकिस्तानी वहां रहकर काम करते हैं और हर साल अरबों डॉलर की रकम अपने देश भेजते हैं। पिछले वर्ष पाकिस्तान को अमीरात से लगभग आठ अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई थी। ऐसे में यदि अमीरात ने वीजा प्रतिबंध, निर्वासन और रोजगार में कटौती जैसे कदम आगे भी जारी रखे, तो पाकिस्तान की पहले से कमजोर अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ सकता है।

देखा जाये तो हाल के महीनों में अमीरात का रुख लगातार सख्त होता दिखाई दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, हजारों पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा गया है और कई लोगों के वीजा नवीनीकरण रोके गए हैं। कुछ विमानन और दूरसंचार कंपनियों ने भी पाकिस्तानी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। अमीरात की प्रमुख दूरसंचार कंपनी द्वारा पाकिस्तान से कारोबार समेटने की संभावना की खबरों ने भी चिंता बढ़ा दी है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि हाल ही में अमीरात ने पाकिस्तान से अपने साढ़े तीन अरब डॉलर के कर्ज की वापसी की मांग कर दी थी। यह रकम पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग पांचवें हिस्से के बराबर है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए यह झटका बेहद गंभीर माना गया। इसी बीच, सऊदी अरब ने पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर की सहायता दी और पहले से दिए गए पांच अरब डॉलर के कर्ज की अवधि बढ़ाकर इस्लामाबाद को राहत पहुंचाई। इससे यह भी संकेत मिला कि खाड़ी क्षेत्र में पाकिस्तान अब दो प्रमुख शक्तियों के बीच संतुलन बनाने की कठिन चुनौती का सामना कर रहा है।

दूसरी ओर, विश्लेषकों का कहना है कि यह विवाद केवल सांप्रदायिक मुद्दा नहीं है, बल्कि इसके पीछे व्यापक भू राजनीतिक कारण भी हैं। पाकिस्तान की शिया आबादी के ईरान के साथ धार्मिक और सांस्कृतिक संबंध हैं, जिससे खाड़ी देशों में संदेह का माहौल पैदा होता है। उधर, सऊदी अरब और अमीरात के रिश्तों में आई दूरी ने भी पाकिस्तान की स्थिति को कठिन बना दिया है। अमीरात को यह भी चिंता है कि पाकिस्तान और सऊदी अरब की बढ़ती नजदीकी उसके हितों को प्रभावित कर सकती है। बहरहाल, इस पूरे घटनाक्रम ने पाकिस्तान की विदेश नीति के सामने एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। एक तरफ उसे अपनी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए खाड़ी देशों की मदद चाहिए, वहीं दूसरी तरफ क्षेत्रीय संघर्षों में तटस्थ बने रहना भी उसके लिए जरूरी है। लेकिन मौजूदा हालात में पाकिस्तान का यह संतुलनकारी प्रयास उलटा पड़ता दिखाई दे रहा है। आने वाले महीनों में यदि अमीरात और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ता है, तो इसका असर केवल कूटनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, रोजगार और सामाजिक स्थिति पर भी गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

18 साल से आईपीएल ट्रॉफी नहीं, दिल्ली कैपिटल्स के डायरेक्टर का छलका दर्द, बताई नाकामी की वजह

दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव ने स्वीकार किया कि अठारह साल में आईपीएल खिताब नहीं जीत पाने का दुख है और उन्होंने इस सत्र की नाकामी के लिये हर विभाग में प्रदर्शन में निरंतरता के अभाव को दोषी ठहराया। इस सत्र में सातवीं हार के बाद दिल्ली की प्लेआफ की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई। दिल्ली और पंजाब किंग्स शुरूआत से खेल रही दो टीमें हैं जो अभी तक आईपीएल नहीं जीत सकी हैं।

दिल्ली 2020 में फाइनल में पहुंची थी जहां उसे मुंबई इंडियंस ने पांच विकेट से हराया था। राव ने कहा ,'' अठारह साल से खिताब नहीं जीत पाने का दुख है। जब मैं अपने खेलने के दिनों को देखता हूं तो मैं हमेशा जीतना चाहता था। अब प्रशासन और कोचिंग में हूं तो काफी कुछ सीख रहा हूं।'' उन्होंने कहा ,'' मैं किसी एक विभाग के बारे में नहीं बोल सकता।

अलग अलग मैचों में अलग अलग विभागों में हम नाकाम रहे। पंजाब के खिलाफ अच्छे रन बनाये लेकिन कैच छोड़े। कुछ मैचों में गेंदबाजों ने अच्छा किया तो बल्लेबाज नाकाम रहे।'' राव ने यह भी कहा ,'' मैच जीतने के लिये निर्णायक क्षणों में अच्छा प्रदर्शन करना होता है जो हम लगातार नहीं कर पाये। यही वजह है कि अभी अंक तालिका में नीचे हैं।''

कप्तान अक्षर पटेल और स्पिनर कुलदीप यादव के खराब फॉर्म ने दिल्ली की मुश्किलें बढाई। राव ने कहा ,'' कुलदीप और अक्षर अच्छे फॉर्म में होते हैं तो गेंदबाजी मजबूत होती है। एक अच्छा खेलता है और दूसरा नहीं तो बीच के ओवरों में गेंदबाजी कमजोर होती है। हम अभी इसी से जूझ रहे हैं।

महिला आयोग सदस्य ने की जनसुनवाई,निरीक्षण व जनजागरूकता कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद मे उ.प्र. राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती एकता सिंह का गुरुवार को जनपद में आगमन हुआ।उन्हों ने सर्किट हाउस में महिला सम्बन्धी जनसुनवाई की।जनसुनवाई के दौरान 09 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 04 प्रकरणों का तत्काल निस्तारण करा दिया गया, जबकि 05 प्रकरणों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि महिलाओं की समस्याओं का त्वरित एवं संवेदनशील समाधान शासन की प्राथमिकता है। महिलाओं को न्याय दिलाने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक पीड़िता को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराई जाए।

इससे पूर्व उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र शिवाबख्तावर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं एवं बच्चों को सरकार की योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराया जाए।उन्होंने कहा कि वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए सहायता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए यहां आने वाली प्रत्येक महिला के साथ संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। सर्किट हाउस में जनसुनवाई के बाद विकास खण्ड पंडरीकृपाल में आयोजित जन–जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। यहां आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व समूह सखियों के साथ विभिन्न महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं को लेकर जागरूकता पर चर्चा की। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को मिलने वाले आरक्षण एवं उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी।उन्होंने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर एवं सशक्त बन सकें।इस दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अहमद हसन, जिला प्रोबेशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी, जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौरव स्वर्णकार, जिला समाज कल्याण अधिकारी एसपी सिंह, संरक्षण अधिकारी चन्द्रमोहन वर्मा, सेंटर मैनेजर चेतना सिंह, पंकज कुमार राव आदि मौजूद रहे।

मेहनत और लगन से प्रज्ञा जयसवाल ने बढ़ाया विद्यालय व परिवार का मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में प्रज्ञा जयसवाल ने बढ़ाया विद्यालय व परिवार का मान।दिया संदेश जीवन में मेहनत,हिम्मत और लगन से बड़ी से बड़ी कल्पना साकार होती है।सच्ची लगन तथा सच्चे उद्देश्य से किया गया प्रयास कभी निष्फल नहीं जाता।बिना कठिन परिश्रम के सफलता प्राप्त करना असंभव है। इसे चरितार्थ कर दिखाया शहर के सतईपुरवा निवासी पवन जायसवाल की पुत्री प्रज्ञा जायसवाल ने।एम्स इंटर कॉलेज गोण्डा की छात्रा प्रज्ञा जायसवाल ने सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत आयोजित शासन द्वारा जनपदीय चित्रकला प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय तथा अपने माता–पिता का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता 18 मार्च 2026 को आयोजित की गई थी।एम्स इंटर कॉलेज के प्रबंधक डॉ. अभय श्रीवास्तव ने प्रज्ञा की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुनिया में सफलता उसी व्यक्ति के कदम चूमती है जो कठिन परिश्रम और कड़ी मेहनत करता है।उन्होंने कहा कि कठोर परिश्रम ही मनुष्य की वास्तविक पूंजी है और बिना मेहनत के सफलता पाना संभव नहीं है।प्रज्ञा जायसवाल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों एवं माता–पिता को दिया।वहीं पिता पवन जायसवाल वरिष्ठ पत्रकार ने बताया कि उनकी पुत्री बचपन से ही मेधावी और प्रतिभाशाली रही है।प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में श्रद्धा गंगवार पुत्री चंद्रपाल गंगवार प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं द्वितीय स्थान प्रियांशी साहू पुत्री ओम प्रकाश साहू छात्राएं एलबीएस डिग्री कॉलेज ने तथा तृतीय स्थान एलिजा अख्तर पुत्री परवेज अख्तर छात्रा अल–हई महाविद्यालय गोण्डा को प्राप्त हुआ।जूनियर वर्ग में लक्ष्मी पुत्री विजय कुमार छात्रा एपी इंटर कॉलेज मनकापुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।द्वितीय स्थान प्रज्ञा जायसवाल तथा तृतीय स्थान प्रियंका चौहान पुत्री उमेश चंद्र चौहान छात्रा एपी इंटर कॉलेज मनकापुर को मिला।सामान्य वर्ग में ज्ञानचंद आर्य पुत्र भीम आर्य को प्रथम स्थान, नंदिनी मौर्य पुत्री राजकरन मौर्य को द्वितीय स्थान तथा प्रेमलता देवी पुत्री पतिराम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।शासन के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर रामचंद्र के आदेशानुसार प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को 51 हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वालों को 21 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को 11 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

प्रभागीय वनाधिकारी के निडर अधीनस्थ कर्मचारियों की लापरवाही हरियाली और पर्यावरण पर भारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में सरकार के लाख कोशिशो के बाद भी अफसरशाही कम होने का नाम नहीं ले रहा है कुछ विभागों में तो अधिकारी सिर्फ ऐसी में रहकर मातहात के जरिए काम लेने की चर्चा जोरों पर है।ऐसा ही एक विभाग का काम है जो लाखों खर्च कर हरियाली लाने का दंभ भरता है लेकिन पुराने पेड़ों की कटान पर रोक लगाने में नाकाम है।जानकारों की मानें तो इस तरह के प्रतिबंधित हरे भरे वृक्षों की अवैध कटान का नतीजा है जिले स्तर के अधिकारियों का अपने अधीनस्थो पर मेहरबानी जिसकी गवाह है लगातार अवैध कटान की खबरें समाचार पत्रों में प्रकाशित होना और जिम्मेदार अफसरों के द्वारा खबरों पर संज्ञान न लेकर सिर्फ अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के भरोसे रहना।क्या मजबूरी है वन प्रभाग

गोन्डा के प्रभागीय वनाधिकारी का की जब से जनपद का पदभार ग्रहण किया है तब से कटान तो परवान चढ़ गया है।हाल ही कि बात करें तो पंडरी कृपाल वन रेंज क्षेत्र अवैध कटान का हब बन गया है पिछले लगभग एक माह की बात करें तो पंडरी कृपाल वन रेंज क्षेत्र में प्रतिबंधित वृक्षों की अवैध कटान तेजी हुई है।वहीं वन क्षेत्राधिकारी से लेकर प्रभागीय वनाधिकारी तक से निडर कर्मचारी खुलेआम कटान को लेकर सतर्क नहीं है तथा लोगों के बीच में कहते घूमते हैं कि मुझे निलंबित कौन करेगा जो चर्चा का विषय बना हुआ है।सूचना मुताबिक पंडरी कृपाल वन रेंज की बात करें तो रेतवागाड़ा,रामनगर,कंधरातेजी सहित कई जगहों पर अवैध कटान की शिकायतों के बाद भी कई दिन बीत जाने पर जिम्मेदार रेंज के रक्षको द्वारा सन्तोषजनक जवाब न मिलना प्रभागीय वनाधिकारी गोन्डा के कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।वहीं चर्चा है कि प्रभागीय वनाधिकारी अनुराग प्रियदर्शी से गोन्डा वन प्रभाग सम्भल नहीं रहा है क्योंकि अधीनस्थ कर्मचारियों में खौफ न होना और लगातार शिकायतों के बाद भी यह कहना की मुझे कौन निलंबित कर सकता है, हरियाली व पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा है।

अवैध प्रतिबंधित वृक्षों की कटान के सम्बन्ध में शिकायतों के बाद भी कार्यवाही शून्य, निडरता इतनी की कहते दिखे अधीनस्थ कौन करेगा निलंबित

महाराणा प्रताप जयंती पर गुरुकुल पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच –सीतापुर मार्ग स्थित टिकोरा मोड़ के गुरुकुल पब्लिक स्कूल में शनिवार को महाराणा प्रताप जयंती समारोह बड़े उत्साह, उल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति को जीवंत कर दिया। समारोह के मुख्य अतिथि मेजर एस.पी. सिंह एवं अजीत सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजदेव सिंह तथा प्रख्यात व्यवसायी सुशील महेश्वरी नूतन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 10 की छात्राओं कृतिका एवं प्रभांशी ने किया। समारोह की शुरुआत छात्र सौरभ के प्रेरणादायक भाषण से हुई। इसके बाद सिद्धि ने "देवा श्री गणेशा" नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों की सरस्वती वंदना से वातावरण भक्तिमय हो उठा। अथर्व ओझा ने अंग्रेजी कविता प्रस्तुत की, जबकि एलकेजी के नन्हे बच्चों ने "ध साई राम" प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं। हर्षित, अखंड और वैभव ने महाराणा प्रताप के अदम्य साहस एवं वीरता पर ओजस्वी भाषण दिए। कक्षा 6 के विद्यार्थियों ने "मन में सेवा" गीत पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। कृष्णा ने वीर रस कविता सुनाई तथा उन्नति ने "सत्यम शिवम सुंदरम" गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समां बांध दिया। कक्षा 8 के छात्र अंश त्रिपाठी ने "शौर्य गाथा" कविता प्रस्तुत कर सभी को उत्साहित किया। मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों ने विद्यार्थियों को महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और संस्कारों के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। अंत में विद्यालय प्रशासन ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

मानदेय बढ़ने पर अनुदेशक ने विद्यालय के बच्चों संग खुशियां मनाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र बर्डपुर के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवरा चौधरी में कार्यरत कंप्यूटर अनुदेशक नीलम देवी ने देश के सर्वोच्च अदालत तक लड़ने के बाद, पहली बार फैसले के अनुसार बढ़े हुए मानदेय के भुगतान की खुशी में विद्यालय के बच्चों को मिठाई खिलाई और सभी बच्चों को विशेष भोजन कराने के बाद नियमित विद्यालय आने वाले सभी छात्र छात्राओं को पुरस्कार वितरित कर खुशियां मनाई। सभी स्टाफ और बच्चों ने बढ़े हुए मानदेय के भुगतान पर अनुदेशक नीलम देवी को दी बधाई। प्रधानाध्यापक कलीमुल्लाह ने बताया कि पूर्व माध्यमिक विद्यालय में कला, शारीरिक शिक्षा और कंप्यूटरी अनुदेशक 2012 से कार्यरत हैं। सभी अनुदेशकों ने सम्मानजनक मानदेय के लिए उच्च न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक लगातार 14 वर्षों तक लड़ाई लड़ी। अंततः सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद अप्रैल 2026 का बढ़ा हुआ मानदेय भुगतान हुआ तो अनुदेशकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी अनुदेशकों को पहले 9000 की दर से मानदेय भुगतान होता था, परन्तु सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद 17000 मानदेय भुगतान हुआ। बढ़े हुए मानदेय के भुगतान की खुशी में विद्यालय के सभी बच्चों को अनुदेशक नीलम देवी ने मिठाई खिलाई, तथा मटर पनीर की सब्जी, पूड़ी, चावल, सलाद, पापड़ सहित विशेष भोजन कराकर नियमित विद्यालय आने वाले बच्चों को पानी का बॉटल, कॉपी, पेन, और कलर भेंट कर खुशियां मनाई। उक्त अवसर पर प्रधानाध्यापक कलीमुल्लाह के अलावा प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापक नगमा बानो, शिक्षा मित्र शीबा रजिया, मोहम्मद काशिफ सरस्वती, निर्मला देवी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बहराइच में दर्दनाक हादसा: सांप काटने से किशोरी की गई जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के तहसील कैसरगंज के ब्लॉक हुजूरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सिरौला में सांप काटने से एक किशोरी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार लगभग 14 वर्षीय किशोरी को घर के पास सांप ने काट लिया। परिजन उसे आनन–फानन में उपचार के लिए ले गए, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसकी मौत हो गई। किशोरी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता एवं उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है। वहीं स्थानीय लोगों ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर किए जाने की भी बात कही है।

उपचार के दौरान बुजुर्ग महिला की मौत, क्लीनिक संचालक पर शव लावारिस छोड़कर भागने का संगीन आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जनपद अंतर्गत गौरा बाजार थाना क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा की संवेदनहीनता और चिकित्सकीय लापरवाही का एक सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। ग्राम सभा सेवरहा के मजरा भरभरिया निवासी एक 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला, लखराजी, की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु के बाद क्षेत्र में भारी तनाव व्याप्त है। परिजनों ने स्थानीय स्तर पर संचालित 'निदान फार्मेसी' के संचालक डॉक्टर समीउल्ला पर उपचार में घोर लापरवाही बरतने और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से महिला को लावारिस हालत में छोड़कर फरार होने का गंभीर आरोप लगाया है।घटनाक्रम के अनुसार, शुक्रवार शाम मृतका अपनी नातिन के विवाह की खरीदारी हेतु गौरा चौराहा आई थीं, जहाँ

अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने पर वे दवा लेने हेतु उक्त क्लीनिक पर पहुँचीं। परिजनों का दावा है कि कथित चिकित्सक द्वारा दवा या इंजेक्शन दिए जाने के कुछ ही समय बाद महिला की स्थिति नाजुक हो गई और वे अचेत हो गईं। आरोप है कि संचालक ने मानवीय संवेदनाओं को ताक पर रखकर परिजनों को सूचित करने के बजाय स्वयं की कार से महिला को जिला मेमोरियल अस्पताल पहुँचाया और वहाँ उन्हें लावारिस अवस्था में छोड़कर रफूचक्कर हो गया। काफी खोजबीन के बाद जब परिजन अस्पताल पहुँचे, तब उन्हें महिला की मृत्यु की जानकारी मिली।घटना की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक पल्टू राम ने शनिवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुँचकर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने इस प्रकरण को लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी मुकेश कुमार रस्तोगी से दूरभाष पर कड़ा रुख अपनाते हुए जनपद में संचालित अवैध क्लीनिकों और झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। मामले पर थाना प्रभारी हरीश सिंह ने स्पष्ट किया है कि परिजनों की तहरीर प्राप्त हो चुकी है और पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रतीक्षा कर रही है, जिसके आधार पर ही अग्रिम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जांच के आश्वासन के बाद ही आक्रोशित परिजन शांत हुए, हालांकि क्षेत्र में अवैध रूप से फल–फूल रहे नर्सिंग होम को लेकर जनसामान्य में गहरा असंतोष है।

एसपी ने भारत की जनगणना 2027 के क्रम में स्वगणना के अवसर पर पूरी किया स्वगणना की प्रक्रिया

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना भारत की जनगणना–2027 के अन्तर्गत आज दिनॉक 09.05.2026 को स्वगणना के अवसर पर अपना स्वगणना का कार्य पूर्ण किया गया। भारत की जनगणना 2027 के मकानों की गणना दिनांक 22.05.2026 से 20. 06.26 के मध्य पूर्ण किया जाना । जिसमें दिनांक 22.05.2026 पगणक द्वारा मकान गणना कार्य प्रारंभ किए जाने के पूर्व दिनांक 07.5.2026 से 21.05. 2026 तक स्वगणना कार्य किया जाना है। तक्रम में पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा स्वगणना का कार्य पूर्ण किया गया तथा समस्त जनपद वासियों से स्वगणना किए जाने हेतु संदेश प्रेषित किया गया। इसी क्रम में स्वगणना के तहत मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ रामानुज कन्नौजिया द्वारा जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात सभी कर्मचारी चिकित्सकों का एक अभियान के तहत स्वगणना का कार्य पूर्ण कराया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 3772 मामलों का निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार एवं मा0 जनपद न्यायाधीश रामसुलीन सिंह, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ जनपद न्यायालय, के परिसर में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा किया गया। इस अवसर पर रचना अरोड़ा प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, सोनभद्र, अशोक कुमार नवम् पीठासीन अधिकारी एम0ए0सी0टी0 कोर्ट, सोनभद्र, संदीप गुप्ता–प्प प्रथम अपर जनपद न्यायाधीश सोनभद्र, गोविन्द मोहन विशेष न्यायाधीश (एस.सी.एस.टी.), विपिन कुमार अपर जनपद न्यायाधीश/एफ. टी.सी./सी.ए.डब्लू, न्यायधीश पंकज मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, डा0 रामेश्वर दयाल सि0 जज सी0डि0, राहुल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, , अजय सिंह–प्प अपर सिविल जज सी0डि0/ए0सी0जे0एम0, राजीव रंजन मिश्रा सिविल जज सी0डि0/एफ0टी0सी0 एवं अन्य समस्त न्यायिक अधिकारी तथा अशोक प्रसाद श्रीवास्तव अध्यक्ष, सोनभद्र बार एसोसिएशन, राजेन्द्र यादव महामंत्री डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन एवं अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहें। जनपद न्यायाधीश द्वारा बैंकों द्वारा लगाये गये स्टाल एवं स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाये गये स्टाल का निरीक्षण कर वहाँ उपस्थित बैंक प्रतिनिधियों/स्वयं सहायता समूह के सदस्यों का उत्साहवर्धन किया तथा बैंक प्रतिनिधियों से अधिक से अधिक संख्या में आमलोगों को लाभ देकर मामले निस्तारित करने प्री–लिटिगेशन मामलों को भी का आवाह्न किया गया।

उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में विशिष्ट विषय आपराधिक शमनीय वाद, धारा–138 एन.आई. एक्ट के वाद, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, पारिवारिक वादों, श्रम वादों, भूमि अधिग्रहण वादों, विद्युत एवं जल बिल (अशमनीय के अतिरिक्त), सर्विस में वेतन एवं भत्तों से सम्बन्धित एवं सेवानिवृतिक परिलाभों से सम्बन्धि विवाद, राजस्व वाद (केवल माननीय उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालयों में लम्बित वाद), अन्य सिविल वादों (किराया, सुखाधिकार, व्यादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद) से सम्बन्धित मामलों के साथ साथ सुलह योग्य सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में रचना अरोड़ा प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, द्वारा मामलें निस्तारित 07, अशोक कुमार नवम् एम0ए0सी0टी0 कोर्ट सोनभद्र द्वारा मामले निस्तारित 30 धनराशि 32400000, नरेन्द्र बहादुर प्रसाद स्थायी लोक निस्तारित 10, अविनाश नारायण पाण्डेय अध्यक्ष उपभोक्ता फोरम, द्वारा मामले निस्तारित 03 धनराशि 1661277, श संदीप गुप्ता प्रथम अपर जनपद न्यायाधीश द्वारा मामलें निस्तारित 143 धनराशि 5960385, गोविन्द मोहन विशेष न्यायाधीश (एससीएसटी), द्वारा मामलें निस्तारित 02, विपिन कुमार– अपर जनपद न्यायाधीश/ एफ.टी.सी./सी.ए. डब्लू, द्वारा मामले निस्तारित 01 धनराशि 1000, न्यायधीश पंकज मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सोनभद्र द्वारा मामलें निस्तारित 2905 धनराशि 320000, डा0 रामेश्वर दयाल सिविल जज सी० डि० सोनभद्र द्वारा मामलें निस्तारित 116 धनराशि 2201660, अजय सिंह–प्प अपर सिविल जज सी0डि0/ए0सी0जे0एम0 द्वारा निस्तारित मामले 95 धनराशि 5930, राजीव रंजन, सिविल जज सी० डि०/एफ०टी०सी०, द्वारा मामलें निस्तारित 112 धनराशि 272200, मोहम्मद जीशान खान न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय घोरावल सोनभद्र द्वारा निस्तारित मामलें 57 धनराशि 570, शिशिर श्रीवास्तव सिविल जज जू० डि०. सोनभद्र द्वारा मामलें निस्तारित 62 धनराशि 52268, इन्दु वर्मा सि0 जज जू0 डि0 एफ.टी.सी/सी.ए.डब्लू द्वारा मामलें निस्तारित 07, धीरेन्द्र कुमार सोनकर अपर सिविल जज जू0डि0 दुद्धी, सोनभद्र द्वारा मामले निस्तारित 200 धनराशि 2000, मुरलीधर सिंह, विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम सोनभद्र द्वारा मामलें निस्तारित 11 धनराशि 5900, यमुना शंकर पाण्डेय विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट–द्वितीय, सोनभद्र द्वारा मामलें निस्तारित 11 धनराशि 4500 रुपये, इस प्रकार कुल 3,772 मामलों का निस्तारण उपरोक्त न्यायालयों द्वारा किया गया जिसकी जुर्माना एवं समाधान धनराशि 4,33,58,222 रूपये रही। इसके अलावा जनपद के समस्त राजस्व न्यायालयों, अन्य न्यायालयों एवं अन्य विभागों में लम्बित वाद एवं प्री–लिटिगेशन वाद के कुल 83,780 मामलों का निस्तारण किया गया जिसकी जुर्माना एवं समाधान धनराशि 19,56,34,312 रूपये हुए तथा निजी एवं सार्वजनिक बैंकों के कुल 474 मामलों का निस्तारण किया गया जिसकी समाधान धनराशि 2,54,71,904 रुपये हुई। इस प्रकार दिनांक 09.05.2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 88,026 मामलों का अन्तिम रुप से निस्तारण किया गया, जिसकी कुल समाधान धनराशि 26,44,64,438 रुपये हुई। राष्ट्रीय लोक अदालत के अनुक्रम में ही र 07.05.2026, 08.05.2026 व 09.05.2026 को आयोजित विशेष लोक अदालत लघु अपराध (च्मजजल वमिदबमे) के कुल 26 मामलें निस्तारित किये गये। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कार्यालय द्वारा दी गयी।

महाराणा प्रताप की जयंती पर जनपद के समस्त थानों पर आयोजित काव्य गोष्ठी का हुआ आगाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सोन संगीत फाउंडेशन की ओर से मेवाड़ केसरी महाराणा प्रताप की जयंती पर मातृभूमि को समर्पित काव्य गोष्ठी का आयोजन शनिवार को रॉबर्ट्सगंज शहर में किया गया। कवियों व अतिथियों का माल्यार्पण कर अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष डा, धर्मवीर तिवारी व समाजसेवी कमलेश सिंह खांबे द्वारा महाराणा प्रताप के छाया चित्र पर दीपदान व माल्यार्पण से विधिवत आयोजन का आगाज हुआ। आयोजक सुशील मिश्रा ने

भारत भारती की वंदना करते हुये देशवा के खातिर देहले परनवां, बचाइ लेले हो भारत माता के शनवां सुनाकर वाहवाही लूटी। संयोजन कर रहे शहीद स्थल करारी प्रमुख प्रद्युम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने राणा का रण देख देख हल्दीघाटी थर्राती है, भामाशाह बने साथी हिंद की ए परिपाटी है, घास की रोटी खाकर भी आन बान हित रहे सदा, राजस्थान भाल मेरा धन्य धन्य यह माटी है सुनाकर पूरी महफ़िल लूट लिया। अशोक तिवारी संचालक ने जो सिक्कों की खनक पर बिक जाये, वो मेरी नजर मे हुस्न नहीं सुनाकर लुभाये। धर्मेश चौहान एडवोकेट ने, देश वंदना करते हुए बड़ा ही सुंदर मेरा वतन है सुनाकर मुखर अभिव्यक्ति दी। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम, दिलीप सिंह दीपक, विवेक चतुर्वेदी, दयानंद दयालू ने भी वीर रस की रचनाओं से त्याग, वीरता, पराक्रम के अद्वितीय योद्धा को नमन् किया। अंत में मुख्य अतिथि कमलेश सिंह खांबे ने राणाप्रताप को समर्पित वक्तव्य देकर तथा अध्यक्षता कर रहे डॉक्टर धर्मवीर तिवारी के आशीर्वचन से विराम दिया गया। इस अवसर पर जय शंकर त्रिपाठी एडवोकेट, लालता प्रसाद मिश्र, आत्म प्रकाश तिवारी एडवोकेट, देवानन्द पांडेय एड, राकेश दूबे एड, फारुख अली हाश्मी, ऋषभ आदि मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप की जयंती पर जनपद के समस्त थानों पर आयोजित "थाना समाधान दिवस"

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय थाना रॉबर्ट्सगंज पर व समस्त क्षेत्राधिकारीगण/थाना प्रभारी द्वारा सम्बन्धित थानों पर सुनी गयी जनता की समस्याएं जनपद के समस्त थानों पर "थाना समाधान दिवस" का आयोजन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज पर जन समस्याओं को सुना गया तथा समस्त क्षेत्राधिकारीगण/थाना प्रभारीगण द्वारा सम्बन्धित थानों पर जनता की समस्याएं सुनी गयी। समाधान दिवस के दौरान प्राप्त शिकायतों में से अनेक प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि भूमि सम्बन्धी समस्त प्रकरणों का निस्तारण पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा समन्वय स्थापित करते हुए किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग–अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा प्रकरणों का त्वरित, निष्पक्ष एवं न्यायसंगत निस्तारण सुनिश्चित हो सके। जनपद में पूर्व से पुलिस से सम्बन्धित 03 व राजस्व से सम्बन्धित 84 प्रार्थना पत्र लम्बित थे एवं आज के दिन प्राप्त शिकायत प्रार्थना पत्रों में पुलिस से सम्बन्धित कुल 09 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 02 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। वहीं राजस्व विभाग से सम्बन्धित कुल 157 प्रार्थना पत्रों में से 79 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष बचे प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करते हुए शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

तेलगुड़वा में मिले तीन नाबालिग बच्चों को प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मिश्रा ने सकुशल चाइल्ड हेल्प लाइन को सौंपा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के तेलगुड़वा इलाके में बिना अभिभावक के घूम रहे तीन नाबालिग बच्चों को चोपन पुलिस ने सकुशल बरामद कर चाइल्ड हेल्प लाइन टीम के सुपुर्द कर दिया। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मिश्रा की तत्परता और संवेदनशील पहल से बच्चों को सुरक्षित संरक्षण मिल सका। जानकारी के अनुसार डायल–1098 के माध्यम से सूचना मिली कि तेलगुड़वा क्षेत्र में तीन छोटे बच्चे बिना किसी अभिभावक के मौजूद हैं। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मिश्रा मय पुलिस बल मौके पर पहुंचे। पूछताछ में बच्चों ने अपना नाम कैरा पुत्र शिवकुमार उम्र करीब 8 वर्ष, टेम्पू पुत्र शिवकुमार उम्र करीब 5 वर्ष तथा कल्लू पुत्र शिवकुमार उम्र करीब 6 वर्ष बताया, लेकिन वे अपना सही पता नहीं बता सके। पुलिस टीम द्वारा आसपास के गांवों में बच्चों की पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक अखिलेश मिश्रा द्वारा चाइल्ड हेल्प लाइन सोनभद्र को सूचना दी गई। बच्चों को थाना चोपन लाया गया, जहां चाइल्ड हेल्प लाइन टीम के सदस्य रविन्द्र कुमार अपनी टीम के साथ पहुंचे। आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों बच्चों को सकुशल चाइल्ड हेल्प लाइन टीम के सुपुर्द कर दिया गया।

अनियंत्रित बाइक पुल के नीचे गिरी चालक की मौत,मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र के देवरिहवां गांव में शनिवार को शाम करीब पांच बजे पुल के नीचे बाइक अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई जिससे बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।मौत की खबर लगते ही घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भिजवा दिया। जानकारी के अनुसार हंसलाल 45 पुत्र स्व त्रिवेणी प्रसाद निवासी देवरिहवां बचरा की पुल के नीचे गिरने से मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक हंसलाल अपने घर से बाइक से अरझट की तरफ जा रहे थे। अनियंत्रित होकर बाइक पुल के नीचे घूस गई और सिर पर गहरी चोटें आईं।जब तक लोग वहां पहुंचते दम तोड़ दिया।घटना की सूचना जब परिजनों को हुई तो घर में चीख–पुकार शुरू हो। पत्नी सुनीता का रो रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक की चार लड़कियां और एक लड़का है।पति के मौत का सदमा पत्नी बर्दाश्त नहीं कर पा रही है।घटना की सूचना ग्रामीणों ने बभनी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सब इंस्पेक्टर शिवमूरत यादव घटनास्थल पर पहुंच गए और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भिजवा दिया। प्रभारी निरीक्षक डीपी यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

भीषण गर्मी में पानी संकट गहराया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत आरंगपानी में

भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट गहराने लगा है। नल जल योजना के तहत पानी आपूर्ति न होने से परेशान ग्रामीणों ने सांकेतिक प्रदर्शन कर जिलाधिकारी सोनभद्र के नाम शिकायती प्रार्थना पत्र भेजा। ग्रामीणों ने मांग की कि जल्द से जल्द योजना के तहत पानी सप्लाई शुरू कराई जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके।ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बढ़ रही गर्मी के कारण क्षेत्र में जलस्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे हैंडपंप और निजी जलस्रोत भी जवाब देने लगे हैं। ऐसे में नल जल योजना ही ग्रामीणों के लिए एकमात्र सहारा है, लेकिन योजना से पानी न मिलने के कारण लोगों को दूर–दूर से पानी लाना पड़ रहा है। महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। समाजसेवी राजू कुमार गुप्त के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित किया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र पानी की व्यवस्था नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।सांकेतिक प्रदर्शन में मुख्य रूप से युवा समाजसेवी राजू कुमार गुप्त, राम लखन प्रजापति, सरोज देवी, रणजीत सिंह, उदयभान सिंह, सुशीला देवी, सुरेश कुमार, राम प्रसाद, लक्ष्मी नारायण, हीरा सिंह खरवार, दयाशंकर गोड़, रामाऔतार खरवार, संजय कुमार, भूरेश्वर, किरामती सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से मांग की कि गर्मी को देखते हुए तत्काल प्रभाव से नल जल योजना के तहत नियमित पानी आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे लोगों को पेयजल संकट से राहत मिल सके।

एनटीपीसी रिहंद में क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद की स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा सोनशक्ति स्टेडियम में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच बड़े उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री संजय असाटी, मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख (रिहंद) द्वारा पारंपरिक रूप से किया गया। टूर्नामेंट के सफल संचालन हेतु सभी टीमों को दो पूलों, पूल । एवं पूल ठ में विभाजित किया गया, जिनमें प्रत्येक में 6–6 टीमों को शामिल किया गया। प्रत्येक टीम में न्यूनतम 18 खिलाड़ियों के साथ लगभग 216 कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रही, जिसने आयोजन को विशेष रूप से सफल एवं आकर्षक बनाया। अंतर–विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में मैकेनिकल मेंटेनेंस ने ऑपरेशन ग्रुप–डी को 4 रन से हराकर विजेता खिताब अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मैकेनिकल मेंटेनेंस ने 10 ओवर में 92 रन बनाए, जबकि जवाब में ऑपरेशन ग्रुप–डी की टीम 88 रन ही बना सकी।

महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में टीम–बी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम–सी को हराकर विजेता खिताब अपने नाम किया। टीम–सी द्वारा दिए गए 77 रनों के लक्ष्य को टीम–बी ने 9.2 ओवर में हासिल कर लिया। टूर्नामेंट के अंतर्गत रिहंद टाउनशिप के प्रमुख विद्यालयों, सेंट जोसेफ, डीएवी एवं केंद्रीय विद्यालय के मध्य इंटर–स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता का भी किया गया। प्रतियोगिता आयोजन में बालक एवं बालिका दोनों वर्गों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। फाइनल मुकाबलों में डीएवी एवं केंद्रीय विद्यालय की टीमें पहुंचीं, जहां उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय विद्यालय ने बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों में अनुशासन, टीम भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना देखने योग्य रही। यह टूर्नामेंट न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने में सफल रहा, बल्कि कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के बीच आपसी सहयोग, सौहार्द एवं सामुदायिक भावना को सुढ़ करने में भी महत्वपूर्ण साबित हुआ।

मंदिर में चोरी करने वाले 02 वांछित अभियुक्त चोरी के सामान व नगदी के साथ किया गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन में थाना अनपरा

पुलिस द्वारा 'मु0अ0सं0 96/2026 धारा 305(क), 331(4), 317(2) ठछै' से संबंधित 02 वांछित अभियुक्तों को गिरतार करने में सफलता प्राप्त की गई। 08.05.2026 को समय करीब 19रू21 बजे मुखबिर खास की सूचना पर थाना अनपरा पुलिस टीम द्वारा बिछड़ी अण्डर पास ब्रिज रेलवे क्रासिंग के पास से अभियुक्तगण सागर उर्फ टाफी पुत्र राजेश कुमार निवासी धरिकार बस्ती डिबुलगंज, थाना अनपरा, , उम्र करीब 20 वर्ष। घमड़ी पुत्र समायन धरिकार निवासी धरिकार बस्ती डिबुलगंज, थाना अनपरा, , उम्र करीब 22 वर्ष। को गिरतार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से मंदिर से चोरी किया गया 02 अदद सर्पनुमा सफेद धातु का टुकड़ा तथा दानपात्र से चोरी किए गए 2100 रुपये नगद बरामद हुए।' गिरतार अभियुक्तों को न्यायालय भेजा जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राम चरण की पेड्डी ने विदेश में रचा इतिहास, प्रीमियर से पहले ही महज 4 घंटे में बना दिया ये तगड़ा रिकॉर्ड

पेड्डी साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है. इस निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है. इस अपकमिंग फिल्म में राम चरण और जाह्नवी कपूर ने लीड रोल प्ले किया है. पेड्डी को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट पहले ही पीक पर है. वहीं इस फिल्म ने 4 जून 2026 को अपनी वर्ल्डवाइड रिलीज से पहले नॉर्थ अमेरिका में अपनी प्री–सेल्स के साथ ही इतिहास रच दिया है.

बता दें कि पेड्डी के मेकर्स ने हाल ही में कंफर्म किया था कि इस फिल्म का फाइनल एडिट लॉक हो चुका है. ये फिल्म 3 जून 2026 को अपने वर्ल्डवाइड प्रीमियर के लिए तैयार है, जिसके बाद 4 जून को इसे दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा. अपने ग्रैंड प्रीमियर से पहले ही, पेड्डी ने रिकॉर्ड तोड़ प्री–सेल्स के साथ एक कमाल कर दिया है. दरअसल नॉर्थ अमेरिका में पेड्डी के डिस्ट्रीब्यूशन को देख रहे प्रत्यंगिरा सिनेमाज की रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म को नॉर्थ अमेरिका में एडवांस बुकिंग शुरू होते ही धमाकेदार रिस्पॉन्स मिला है. इसी के साथ फिल्म ने महज चार घंटों के भीतर +100य का आंकड़ा पार कर लिया, जो इतने कम समय में किसी भी भारतीय फिल्म की टिकट सेल के लिए एक नया बेंचमार्क है. इस उपलब्धि की सबसे खास बात ये है कि फिल्म का ट्रेलर अभी तक रिलीज नहीं हुआ है. यह जबरदस्त रिस्पॉन्स राम चरण के लिए फैंस की दीवानगी और बुची बाबू सना के ग्रैंड विजन के प्रति लोगों के बढ़ते एक्साइटमेंट को दिखाया है. बता दें कि पेड्डी नॉर्थ अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में एक बड़े लेवल पर रिलीज होने के लिए तैयार है. पेड्डी को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ता जा रहा है, क्योंकि मेकर्स फिल्म से राम चरण के दमदार ट्रांसफॉर्मेशन वाले स्ट्राइकिंग पोस्टर्स और इंटेंस झलकियां लगातार शेयर कर रहे हैं. इस बढ़ते हाइप में फिल्म का म्यूजिक भी चार चांद लगा रहा है, जो पहले ही चर्चा का सबसे बड़ा विषय बन चुका है. ए.आर. रहमान द्वारा कंपोज किया गया पहला सिंगल, चिकीरी चिकीरी, अपनी जबरदस्त एनर्जी की वजह से तुरंत लोगों की जुबान पर चढ़ गया और सभी प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर चुका है. इसके दूसरे गाने रई रई रा रा ने भी अपनी शानदार कोरियोग्राफी और विजुअल्स से एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है. इसे यूट्यूब पर 66 मिलियन से ज़्यादा व्यूज मिल चुके हैं. बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में राम चरण लीड रोल में हैं, जिनके साथ शिव राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नजर आएंगे. वेंकट सतीश किलारू के बैनर वृद्धि सिनेमाज और माइथ्री मूवी मेकर्स के सहयोग से ये फिल्म बनी है. धुरंधर और राजा शिवाजी की बड़ी सफलता के बाद, जियो स्टूडियोज इसे नॉर्थ इंडिया में रिलीज करेगा. फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर 3 जून 2026 को होगा, जिसके बाद 4 जून 2026 को यह दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

करिश्मा तन्ना ने प्रेग्नेंसी में दिखाया ग्लैमरस अवतार, मोनोकिनी पहन दिए पोज

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्होंने हाल ही में बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए फोटोज शेयर की हैं. फोटोज में वो काफी ग्लैमरस लुक में नजर आईं. एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना इन दिनों अपनी फर्स्ट प्रेग्नेंसी

एंजॉय कर रही हैं. वो अक्सर बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए फोटोज शेयर करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कई ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं. उनका ये अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है. लुक की बात करें, तो करिश्मा ब्लैत एंड व्हाइट मोनोकिनी पहने नजर आई. गॉग्लस लगाए वो काफी ब्यूटीफुल दिख रही है. करिश्मा ने कई पोज भी दिए. तस्वीरों में उनका बेबी बंप भी नजर आ रहा है. फैंस तस्वीरों पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं. करिश्मा ने इससे पहले ब्लैक मोनोकिनी में भी कई फोटोज शेयर की थी. सेल्फी लेते हुए वो अपनी बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रहीं थी. बता दें, एक्ट्रेस इस साल अगस्त में अपने पहले बेबी का वेलकम करने वाली हैं. उन्होंने अपने पति के साथ फोटोज शेयर कर फैंस के साथ ये गुड न्यूज शेयर की. करिश्मा तन्ना ने साल 2022 में वरुण बंगेरा के साथ शादी की थी. अब ये कपल शादी के चार साल बाद पेरेंट्स बनने वाले हैं.

राजा शिवाजी ने 7वें दिन भी मचाई धूम, 50 करोड़ के हुई पार

रितेश देशमुख की ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी मराठी सिनेमा के लिए बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर इतिहास रच रही है. महाराष्ट्र में काफी प्रमोशन के बीच रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. शानदार ओपनिंग के बाद इसने वीकडेज में भी धमाकेदार कमाई की है. इसी के साथ चलिए यहां जानते हैं राजा शिवाजी ने रिलीज के 7वें दिन यानी गुरुवार को कितना कलेक्शन किया है?

राजा शिवाजी को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक हफ्ता पूरा हो चुका है. इसकी ओपनिंग काफी जबरदस्त रही थी और इसने ओपनिंग वीकेंड भी भी अच्छी कमाई की लेकिन वीकडेज में इसके कलेक्शन में काफी उतार–चढ़ाव बना रहा है, फिर भी ये बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है. हालांकि गुरुवार को इसकी कमाई में गिरावट आई है लेकिन फिर भी इसने एक मील का पत्थर पार कर लिया है. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो राजा शिवाजी ने रिलीज के पहले दिन 11.35 करोड़ कमाए थे. दूसरे दिन इस फिल्म ने 10.55 करोड़, तीसरे दिन 12 करोड़, चौथे दिन 5.60 करोड़ 5वें दिन 4.90 करोड़ और छठे दिन 4.25 करोड़ की कमाई की है. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के 7वें दिन 4 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ इस फिल्म के 7 दिनों का कुल कलेक्शन अब 52.60 करोड़ रुपये हो गया है.

राजा शिवाजी ने सिनेमाघरों में अपनी रिलीज के पहले हफ्ते में 52 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है. इसी के साथ ये अपने आधे बजट से ज्यादा वसूल कर चुकी है. बता दें कि इसे 75 करोड़ की लागत में बनाया गया है. ऐसे में अपना पूरा बजट वसूलने से ये फिल्म 23 करोड़ रुपये दूर है. उम्मीद है कि दूसरे वीकेंड पर इसकी कमाई में तेजी आएगी और ये अपनी लागत वसूलने के करीब पहुंच जाएगी और दूसरे हफ्ते में तो ये हर हालत में अपना पूरा बजट वसूल कर जाएगी. वैसे इस फ्राइडे सिनेमाघरों में कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हुई है जिसके चलते बॉक्स ऑफिस पर कंप्टीशन कम है और इस कारण राजा शिवाजी के पास कमाई करने का पूरा मौका है.

साई पल्लवी और जुनैद खान की फिल्म एक दिन का पहले हफ्ते में सूपड़ा साफ होते दिख रहा है। इसने 7वें दिन सिर्फ 19 लाख रुपये कमाए हैं। कारोबारी दिनों में फिल्म लगातार सिर्फ लाखों में कारोबार करती आई है। फिल्म ने अब तक कुल 4 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। दूसरी ओर, अक्षय कुमार की हॉरर–कॉमेडी भूत बंगला ने रिलीज के 21वें दिन 1.75 करोड़ कमाए हैं। फिल्म का कुल कलेक्शन अब 150 करोड़ रुपये हो गया है।

भारत में पैट्रियट का बुरा हाल, सातवें दिन लाखों में सिमटी कमाई, लेकिन वर्ल्डवाइड छाप रही नोट

ममूटी और मोहनलाल स्टारर फिल्म पैट्रियट ग्लोबल लेवल कुछ उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद सिनेमाघरों में निराशाजनक परफॉर्म कर रही है. ये एक्शन थ्रिलर भारत में अपनी मजबूत

पकड़ बनाए रखने में असफल साबित हुई है. हालांकि, विदेशी दर्शक अभी भी फिल्म को ठीक रिस्पॉन्स दे रहे हैं जिसके चलते इसने वर्ल्डवाइड ठीक कमाई कर ली है. चलिए यहां जानते हैं पैट्रियट ने रिलीज के 7वेंदिन कितना कलेक्शन किया है?

पैट्रियट ने सिनेमाघरों में रिलीज का एक हफ्ता पूरा कर लिया है. वहीं भारत में ये फिल्म दर्शकों को इम्प्रेस नहीं कर पाई और इसी के साथ ये कमाई भी नहीं कर पाई है. सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक पैट्रियट ने रिलीज के 7वें दिन 93 लाख का कलेक्शन किया है. इसी के साथ इस फिल्म का भारत में 7 दिनों का कुल नेट कलेक्शन 26.98 करोड़ रुपये हो गया जबकि इसका भारत में ग्रॉस कलेक्शन फिलहाल 31.30 करोड़ रुपये है.

विदेशी बाजार ने पैट्रियट के कुल कारोबार में अहम योगदान दिया है. फिल्म ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 41.50 करोड़ रुपये की कमाई की है. इसके साथ ही, फिल्म का सात दिनों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 72.80 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. घरेलू कमाई में तेजी से गिरावट के बावजूद, विदेशी दर्शकों के मजबूत सपोर्ट ने फिल्म को विश्व स्तर पर पूरी तरह से धराशायी होने से बचा लिया है. महेश नारायणन की मलयालम एक्शन थ्रिलर पैट्रियट का125 करोड़ के भारी–भरकम बजट में बनी बताया जा रहा है. इस फिल्म ने एक हफ्ते में घरेलू बाजार में अपनी आधी लागत वसूलना तो दूर 30 करोड़ का आंकडा भी पार नहीं किया है. ऐसे में ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट चुकी है. बता दें कि इसी के साथ मोहनलाल ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपनी लगातार दूसरी फ्लॉप फिल्म दी है. इससे पहले 2025 में आई उनकी एक्शन फिल्म वृषभा ने मात्र 1.64 करोड़ की कमाई की थी. पैट्रियट से उम्मीद थी कि यह आडू 3, वाझा 2 और प्रकंबनम के बाद 2026 में मलयालम सिनेमा की सफलता की लय को बरकरार रखेगी. लेकिन इसके बजाय, ये बॉक्स ऑफिस पर बड़ी फ्लॉप साबित हुई है.

कूलर से आती है गंदी बदबू? इन 5 तरीकों से उसे कर सकते हैं दूर

गर्मियों में कूलर का इस्तेमाल करना काफी आरामदायक होता है। हालांकि, अगर कूलर से बदबू आने लगे तो यह अनुभव को खराब कर सकता है। यह बदबू बैक्टीरिया और फंगस की वजह से आती है, जो गंदगी और नमी में पनपते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने कूलर से आने वाली बदबू को आसानी से दूर कर सकते हैं और उसे साफ–सुथरा रख सकते हैं।

बेकिंग सोडा का करें इस्तेमालः बेकिंग सोडा एक उपयोगी सामग्री है, जो बदबू को दूर करने में मदद कर सकता है। इसे कूलर के पानी में मिलाने से नमी कम होती है और बैक्टीरिया पनपने का मौका नहीं मिलता। इसके लिए कूलर के पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें, फिर पानी बदल दें। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू खत्म हो जाएगी और वह साफ–सुथरा रहेगा। नींबू का रस डालेंः नींबू का रस न केवल ताजगी देता है, बल्कि इसमें मौजूद एसिड भी बैक्टीरिया को मारता है, जिससे बदबू नहीं आती। इसके लिए कूलर के पानी में नींबू के कुछ टुकड़े डालें या फिर सीधे इसके रस को पानी में मिलाएं। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू दूर हो जाएगी और ताजगी बनी रहेगी। नींबू का नियमित उपयोग आपके कूलर को साफ–सुथरा रखने में मदद करेगा, जिससे यह लंबे समय तक सही काम करेगा।

सफेद सिरका भी है असरदारः सफेद सिरका एक बेहतरीन प्राकृतिक उपाय है, जो बैक्टीरिया को मारता है और बदबू दूर करता है। इसके लिए कूलर के पानी में सफेद सिरके की कुछ बूंदें मिलाएं और इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें, फिर पानी बदल दें। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू खत्म हो जाएगी और यह साफ–सुथरा रहेगा। सफेद सिरका का नियमित उपयोग आपके कूलर को लंबे समय तक सही काम करने में मदद करेगा।

पुदीने की पत्तियां आएंगी कामः पुदीने की पत्तियां न केवल ताजगी देती हैं, बल्कि इनकी खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है। इसके लिए कूलर के पानी में पुदीने की कुछ पत्तियां डालें या फिर इसके तेल की कुछ बूंदें मिलाएं। इससे आपके कूलर से आने वाली बदबू दूर हो जाएगी और ताजगी बनी रहेगी। पुदीने का नियमित उपयोग आपके कूलर को साफ–सुथरा रखने में मदद करेगा और उससे एक भीनी और अच्छी खुशबु भी आती रहेगी।

नियमित सफाई करेंः कूलर की नियमित सफाई करना बहुत जरूरी है। इसके लिए हर हफ्ते कूलर की टंकी और पंखे को साफ करें। गंदगी हटाने के लिए पानी का उपयोग करें और अच्छे से सुखा लें। साथ ही दाग आदि को हटाने के लिए खास उत्पादों या प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करें। इन तरीकों का पालन करके आप अपने कूलर से आने वाली बदबू को आसानी से दूर कर सकते हैं और इसे साफ–सुथरा रख सकते हैं।